UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

उत्तर प्रदेश समग्र

UPPCS व RO/ARO एवं अन्य राज्य स्तरीय परीक्षाओं के लिए उत्तर प्रदेश से सम्बद्ध अति महत्वपूर्ण तथ्यों का संकलन



महाकुम्भ मेला क्षेत्र बना उत्तर प्रदेश का 76वां जिला

सिविल सेवा परीक्षाओं के विद्वान, अनुभवी व विश्वसनीय शिक्षकों की टीम द्वारा शानदार तैयारी

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

A Trusted Institute Since 2002

UPSC/UPPCS FOUNDATION BATCH

New Batch @ 25 Dec

TIME: 8 AM TO 12:30 PM

Duration: 15-16 Month

RO/ARO FOUNDATION BATCH

New Batch @ 9 Dec

TIME: 8 AM TO 12:30 PM

Duration: 5-6 Month

विद्यार्थियों को 'उत्कर्ष' द्वारा दी जाने वाली विशेष सुविधाएँ:-

- विख्यात विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्यापन
- प्रत्येक विषय के कोर्स का समयबद्ध समापन
- करेंट अफेयर्स की मासिक पत्रिका फ्री
- सम्पूर्ण, सारगर्भित व अद्यतन प्रिन्टेड नोट्स
- प्रारम्भिक परीक्षा हेतु ऑफ़लाइन व ऑनलाइन टेस्ट सीरीज़
- नियमित OMR Test व टॉपर्स का सम्मान
- विशेष डाउट क्लियरिंग सेशन, मेमोरी बेस्ड टेस्ट
- 4K इंटरेक्टिव पैनल के माध्यम से अध्यापन
- विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का विस्तृत हल
- शिक्षकों द्वारा हस्तलिखित पैनल पीडीएफ
- मौलिक अवधारणाओं की समझ व विश्लेषणात्मक क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान
- ऑफ़लाइन विद्यार्थियों को सूचनाएँ/सपोर्ट देने व फीडबैक लेने के लिए अलग से एप

ऑफ़लाइन बैच के विद्यार्थियों को रीवीज़न व निरन्तर अभ्यास के लिए स्वयं के बैच का ऑनलाइन कोर्स **बिल्कुल फ्री।**

उपर्युक्त कोर्स उत्कर्ष एप में **ऑनलाइन (LIVE from Classroom)** भी उपलब्ध

EARLY BIRD OFFER:

25% DISCOUNT IN ONLINE & OFFLINE BATCH

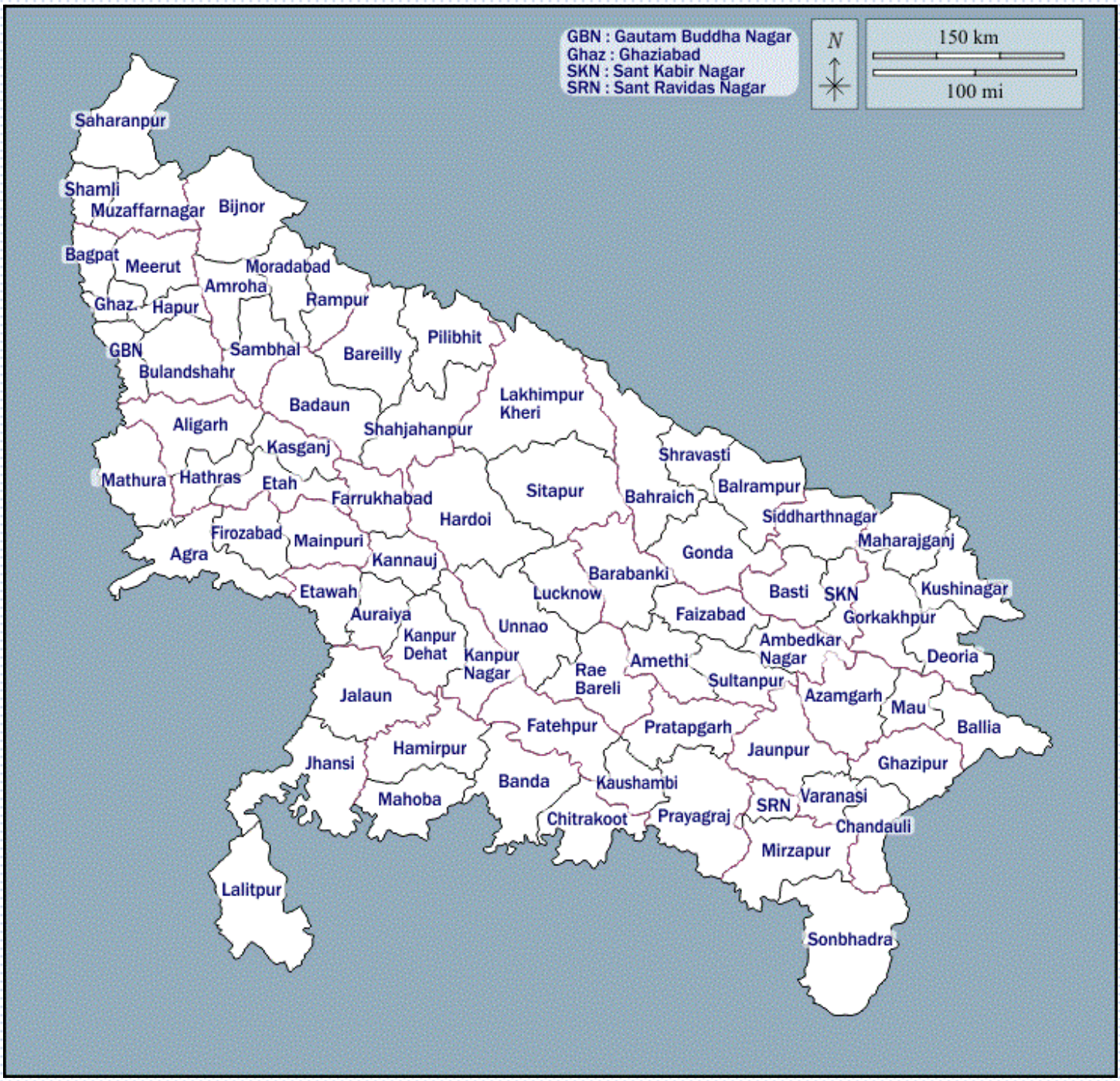
UTKARSH CLASSES

PRAYAGRAJ:
Elgin Road, Mishra Bhawan
Chouraha, Civil Lines

Helpline:
977 3366 872



उत्कर्ष एप के ऑनलाइन कोर्सेस CSC सेंटर से खरीदने पर पाएं 10% अतिरिक्त डिस्काउंट



राज्य प्रतीक	एक वृत्त में ऊपर धनुष, बीच में बहती गंगा-यमुना नदियां और नीचे दाएं-बाएं दो मछलियां हैं (1938 में स्वीकृत)।
राज्य पशु	बारहसिंगा (रुसेर्वस डुवाउसेली)
राज्य पक्षी	सारस क्रेन (ग्रस एंटीगोन)
राजकीय वृक्ष	अशोक
राजकीय पुष्प	पलाश
राज्य खेल	हॉकी

उत्तर प्रदेश सामान्य परिचय	
राजधानी	लखनऊ
गठन	1 नवम्बर, 1956
ज़िला	75 *स्मरणीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कुम्भ मेला क्षेत्र को प्रशासनिक सुविधा के लिए अस्थायी रूप से उत्तर प्रदेश का 76वां जिला घोषित किया गया है।
विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण	5
आर्थिक संभाग क्षेत्र	**पश्चिमी आर्थिक क्षेत्रः** इसमें प्रदेश के 30 पश्चिमी जिले आते हैं। **मध्य आर्थिक क्षेत्रः** इसमें प्रदेश के 10 मध्यवर्ती जिले शामिल हैं। **बुन्देलखण्ड आर्थिक क्षेत्रः** इसमें प्रदेश के 7 दक्षिणी जिले आते हैं। **पूर्वी आर्थिक क्षेत्रः** इसमें प्रदेश के 28 पूर्वी जिले शामिल हैं।
नगर निगम	**17 {शाहजहांपुर (2018)}**
प्रशासनिक प्रभाग	18
जनसंख्या	19,98,12,341(भारत की कुल जनसंख्या का 16.50%)
क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में स्थान	चौथा
राज्य का विभाजन	9 नवम्बर, 2000 [उत्तर प्रदेश के 13 जिलों को अलग करके उत्तरांचल (वर्तमान में उत्तराखंड) का गठन किया गया।
राज्य का नामकरण का क्रम	उत्तर-पश्चिम प्रांत (1836 से) उत्तर-पश्चिम आगरा और अवध प्रांत (1877 से) संयुक्त प्रांत आगरा और अवध (1902 से) संयुक्त प्रांत (1937 से) उत्तर प्रदेश (24 जनवरी, 1950 से)
राज्य की राजधानी बनने का क्रम	आगरा (1836 से) प्रयागराज (1858 से) लखनऊ (आंशिक) (1921 से) लखनऊ (पूर्णतः) (1935 से)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में उत्तर प्रदेश के जिलें	8 (मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर, हापुड़ , बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली)
उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (SCRDA) में शामिल जिले	6 (लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी)
उत्तर प्रदेश के ऐसे मुख्यमंत्री, जिन्हें भारत के प्रधानमंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ	चौधरी चरण सिंह और विश्वनाथ प्रताप सिंह
उत्तर प्रदेश विधानसभा के ऐसे अध्यक्ष, जो मुख्यमंत्री भी बने	श्री बनारसीदास और श्रीपति मिश्र
18वीं विधानसभा के अध्यक्ष	श्री सतीश महाना
18वीं विधानसभा में महिला सदस्यों की संख्या	**49**
18वीं विधानसभा में विपक्ष के नेता	माताप्रसाद पांडे (समाजवादी पार्टी)
सर्वाधिक बार विधानसभा अध्यक्ष	श्री आत्माराम गोविंद खेर एवं केशरी नाथ त्रिपाठी (3-3 बार)
विधान सभा के कुल सदस्य	403
विधान परिषद के कुल सदस्य	100
पहली राज्य विधान सभा का गठन	जुलाई, 1937

सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाला जिला	प्रयागराज (12 सीटें)
सबसे कम विधानसभा सीटों वाला जिला	श्रावस्ती, महोबा, चित्रकूट (2-2 सीटें)
प्रदेश की पहली केंद्रीय जेल	बरेली
राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री	पं. गोविंद बल्लभ पंत
राज्य के प्रथम उपमुख्यमंत्री	चौधरी नारायण सिंह
राज्य और देश की पहली महिला मुख्यमंत्री	सुचेता कृपलानी
राज्य में अब तक महिला मुख्यमंत्री हुई	2 (सुचेता कृपलानी व सुश्री मायावती)
वर्तमान मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ)	स्वतंत्रता के बाद कार्यकाल के रूप में 32 वें, व्यक्ति के रूप में 21 वें
सबस कम उम्र के मुख्यमंत्री	अखिलेश यादव
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जो देश के प्रधानमंत्री रहे	चरणसिंह व विश्वनाथ प्रताप सिंह
वर्तमान मुख्य न्यायाधीश (इला. हाईकोर्ट)	अरुण भंसाली (05-02-2024 से)
वर्तमान (7वें) लोकायुक्त (कार्यकाल 5 वर्ष या 70 वर्ष)	श्री संजय मिश्र (31-01-2016 से)
राज्य और देश की पहली महिला राज्यपाल	सरोजिनी नायडू
भारत का पहला रात्रि वन्यजीव पार्क (नाइट सफारी पार्क) कहाँ स्थित है	कुकरैल नाइट सफारी पार्क, लखनऊ
स्वतंत्रता के बाद राज्य विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष	राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन
स्वतंत्रता के बाद राज्य के प्रथम विधान परिषद अध्यक्ष	चन्द्रभाल (Dr. Sir Sitaram : 1937 – 49)
उत्तर प्रदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश	सर वाल्टर मॉर्गन
तेंदुलकर समिति के अनुसार गरीबी रेखा के नीचे निर्वासित जनसंख्या (2011-12)	29. 43%
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कार्य सहभागिता दर	32.94%
जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों की संख्या	50
उत्तर प्रदेश का उच्च न्यायालय	इलाहाबाद उच्च न्यायालय प्रयागराज (एक खण्डपीठ-लखनऊ) उच्च न्यायालय की स्थापना 17 मार्च 1866 को उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या – 160 न्यायिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र लखनऊ (1986 में)

उत्तर प्रदेश का इतिहास

उत्तर प्रदेश का इतिहास राष्ट्रीय एकीकरण एवं शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का इतिहास है। यहां प्राचीन काल से विभिन्न धर्मों एवं संप्रदायों के लोग एक दूसरे के साथ सौहार्द्रपूर्ण पद्धति से निवास करते थे। पुरातन काल में गंगा के मैदान में स्थित उत्तर प्रदेश का क्षेत्र 'मध्य देश' कहलाता था।

उ.प्र. का नामकरण

उत्तर प्रदेश को 1833 ई. के अधिनियम के तहत 1834 ई. में 'आगरा प्रेसीडेंसी' का निर्माण कर इसे 'बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग किया गया। 1836 ई. में इसका नाम बदलकर 'उत्तर-पश्चिमी प्रांत' कर दिया गया। 1937 ई. में इसका नाम संक्षिप्त करके मात्र 'संयुक्त प्रांत' कर दिया गया। 24 जनवरी, 1950 से इसका नाम संयुक्त प्रांत के स्थान पर 'उत्तर प्रदेश कर दिया गया। 24 जनवरी, 2018 को प्रथम 'उत्तर प्रदेश दिवस' मनाया गया।

प्राचीन काल से महत्वपूर्ण तथ्य

पाषाणकाल (उ.प्र. से जुड़े प्रमुख तथ्य)

उ० प्र० में पुरापाषाण कालीन साक्ष्य मिले हैं-

- प्रयागराज जिले की बेलन घाटी से,
- सोनभद्र जिले की सिंगरौली घाटी से, तथा
- चंदौली जिले की चकिया तहसील से।

बेलन घाटी के पुरातात्विक स्थलों की खोज व उत्खनन का कार्य इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. जी.आर. शर्मा के निर्देशन में हुआ। बेलन घाटी के लोहदा नाला क्षेत्र से अस्थि-निर्मित मातृ देवी की प्रतिमा मिली है। पुरा पाषाणकालीन सभ्यता के प्रायः सभी उपकरण क्वार्टजाइट पत्थरों से निर्मित हैं।

मध्यपाषाण काल-

उत्तर प्रदेश में मध्य पाषाणकालीन साक्ष्य मिले हैं-

- मिर्जापुर-सोनभद्र के-मोरहना पहाड़, बघहीखोर, लेखहिया से,
- दक्षिणी प्रयागराज से, तथा
- प्रतापगढ़ के सरायनाहर राय (14 शवाधान), महदहा(गर्त- चूल्हे का साक्ष्य), दमदमा(हड्डी एवं सींग के उपकरण व आभूषण, गर्त-चूल्हे तथा 41 शवाधान के साक्ष्य) से।

नवपाषाण काल-

प्रदेश में नवपाषाणकालीन साक्ष्य मिले हैं-

- प्रयागराज जिले की बेलन घाटी में स्थित कोलडिहवा, महदहा, पंचोह से।
- मिर्जापुर-सोनभद्र से।
- प्रतापगढ़ से।

भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि का प्राचीनतम साक्ष्य संत कबीर नगर जिले के लहुरादेव से मिला है। यहाँ १००० ई.पू. से 8000 ई.पू. के मध्य चावल के साक्ष्य मिले हैं।

ताम्र पाषाण काल-

प्रदेश में इस काल की सभ्यता के साक्ष्य मेरठ व सहारनपुर के पुरास्थलों से मिले हैं।

- मिर्जापुर, सोनभद्र, प्रयागराज एवं प्रतापगढ़ से उत्खनन में नवपाषाण काल के औजार एवं हथियार मिले हैं।

हड़प्पा काल –

उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख हड़प्पा सभ्यता से सम्बन्धित स्थल

- मेरठ – आलमगीरपुर (कपास उत्पादन का साक्ष्य)
- सहारनपुर – हुलास
- बागपत – सनौली
- मुजफ्फरनगर – मांडीगांव

उत्तर प्रदेश में वैदिक सभ्यता का विस्तार मुख्यत: उत्तर वैदिक काल में हुआ। इस काल में प्रयोग में लाये गये मृदभांडों में केवल लाल मृदभांड के साक्ष्य पूरे प्रदेश में मिलते हैं।

शतपथ ब्राह्मण में कोशल (श्रावस्ती) का उल्लेख मिलता है।

महजनपद काल से संबंधित प्रमुख स्थल

16 महाजनपद में से उत्तर प्रदेश में कुल 8 स्थित थे जिनके विवरण निम्नलिखित हैं-

महाजनपद	राजधानी	विस्तार
पांचाल (राजतंत्र)	अहिक्षत्र (बरेली)	बरेली, बदायूँ एवं फर्रुखाबाद के आस-पास
कुरू (राजतंत्र)	इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली)	मेरठ, दिल्ली, थानेश्वर के आस-पास
वत्स (राजतंत्र)	कौशाम्बी (इलाहाबाद)	इलाहाबाद के आस-पास
शूरसेन (राजतंत्र)	मथुरा	मथुरा के आस-पास
कोशल (राजतंत्र)	साकेत (अयोध्या) श्रावस्ती	अवध के आस-पास
मल्ल (गणतंत्र)	कुशीनगर	कुशीनगर, देवरिया
काशी (राजतंत्र)	वाराणसी	वाराणसी के आस-पास
चेदि (राजतंत्र)	शुक्तिमती (बांदा)	बांदा के आस-पास

उत्तर प्रदेश के जैन तीर्थस्थल

अयोध्या - प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ, द्वितीय तीर्थंकर अजितनाथ, चतुर्थ तीर्थंकर अभिनंदनाथ एवं पंचम तीर्थंकर सुमतिनाथ का जन्म स्थल।

वाराणसी - सातवें तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ और तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म स्थल।

श्रावस्ती- तृतीय तीर्थंकर संभवनाथ एवं प्रसिद्ध शोभनाथ मंदिर के संबंधित स्थल।

पभोसा (कौशाम्बी) - छठें तीर्थंकर पद्मप्रभु से संबद्ध स्थल।

काम्पिल्य (फर्रूखाबाद) विमलनाथ की जन्मस्थली।

काकंडी- नवें तीर्थंकर सुविधानाथ का निवास स्थल।

महोबा- 'गोखर' पर्वत पर चट्टानों को काटकर बनाई गई 24 तीर्थंकरों की प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध।

देवगढ़- प्राचीन जैन मूर्तियों एवं शिल्प कला हेतु विख्यात।

- महावीर स्वामी ने पावापुरी में **महापारिनिर्वाण** प्राप्त किया था।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध के पिता शुद्धोधन एक छोटे गणराज्य कपिलवस्तु के निर्वाचित राजा और गणतांत्रिक शाक्यों के प्रधान थे। कपिलवस्तु वर्तमान उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में अवस्थित है।
- पहला उपदेश सारनाथ (ऋषिपत्तन या मृगदाव) में दिया। इसे 'धर्मचक्र प्रवर्तन' कहा गया। बुद्ध ने अपने जीवन के सर्वाधिक उपदेश कोशल देश की राजधानी श्रावस्ती में दिये।
- बुद्ध का महानिर्वाण 80 वर्ष की अवस्था में कुशीनारा (वर्तमान कुशीनगर) में 483 ई.पू. में हुआ। गौतम बुद्ध का अधिकांश सन्यासी जीवन उत्तर प्रदेश में ही व्यतीत होने के कारण इस प्रदेश को "बौद्ध धर्म का पालना" कहा जाता है।
- बुद्ध काल में उत्तर प्रदेश में 7 मुख्य गणराज्य थे-कपिलवस्तु के शाक्य, सुमसुमार पर्वत (चुनार) के भग्ग, केलपुत्त के कालाम, रामग्राम के कोलिय, कुशीनारा के मल्ल, पावा के मल्ल तथा पिप्पलिवन के मोरिय।

उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख बौद्ध स्थापत्य

- जेतवन विहार (श्रावस्ती)
- विश्व शांती घंटी (श्रावस्ती) – इसकी स्थापना जापान की सहायता से की गयी है।
- चौखंडी स्तूप (सारनाथ)
- धर्मराजिका का स्तूप (सारनाथ)
- धमेख स्तूप (धर्मचक्र स्तूप)
- रानाभर स्तूप (कुशीनगर)

उत्तर प्रदेश में मौर्य काल से सम्बन्धित प्रमुख स्थल

- अहरौरा (मिर्जापुर) का लघु शिलालेख,
- टोपरा (खिंज़ाबाद-सहारनपुर) का स्तम्भलेख,
- सोहगौरा कांस्य अभिलेख (अकाल से संबंधित अभिलेख)
- मेरठ का स्तम्भलेख,
- कौशाम्बी का स्तम्भलेख या सारनाथ का लघु स्तम्भलेख। टोपरा एवं आठ स्तम्भ लेख को फिरोजतुगलक द्वारा दिल्ली में तथा कौशाम्बी स्तम्भलेख को अकबर द्वारा प्रयाग किले में स्थापित कराया गया। उसके सारनाथ स्तम्भलेख के शीर्ष पर बने सिंहों की आकृति को ही भारत सरकार ने अपना राजकीय चिन्ह बनाया।

मौर्योत्तर काल

- अयोध्या का प्राचीन नाम अयाज्सा था।
- अयोध्या शिलालेख का सम्बन्ध पुष्यमित्र शुंग से था।
- कुषाणों की पहली राजधानी पेशावर जबकि दूसरी या पूर्वी राजधानी मथुरा (उत्तर प्रदेश) थी।

उत्तर प्रदेश में गुप्त काल से संबंधित प्रमुख तथ्य

- गुप्त शासक समुद्रगुप्त (भारत का नेपोलियन) के द्वारा किये गये उत्तरापथ व दक्षिणापथ के अभियानों का उल्लेख 'प्रयाग-प्रशस्ति' में मिलता है। उत्तरापथ के 12 राज्यों में से 4 उत्तर प्रदेश में अवस्थित थे।
- भितरी स्तंभलेख (गाजीपुर) में पुष्यमित्रों तथा हूणों के साथ स्कंदगुप्त के युद्ध का वर्णन है।
- गढ़वा (प्रयागराज) में कुमारगुप्त के दो शिलालेख तथा स्कंदगुप्त का एक शिलालेख मिला है।
- मंदिर कला का विकास गुप्तकाल में ही हुआ। उ.प्र. के भीतरगाँव (कानपुर), भितरी (गाजीपुर), देवगढ़ (झांसी) से मंदिरों के अवशेष मिले हैं।
- भारत में शिखरयुक्त मंदिर निर्माण का पहला उदाहरण देवगढ़ का दशावतार मंदिर (झाँसी) है। यह गुप्तकालीन मंदिर है। अन्य मंदिरों में केवल मंडप होता था, उसके विपरीत इस मंदिर में चार मंडप हैं।
- भीतरगाँव (कानपुर) से ईंट-पत्थर के बने गुप्तकालीन मंदिर के अवशेष मिले हैं। यह शिखरयुक्त है। यह मंदिर चंद्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' के काल में बनवाया गया था।

उत्तर प्रदेश में गुप्तोत्तर काल से संबंधित प्रमुख तथ्य

- वर्द्धनवंशी सम्राट हर्षवर्द्धन प्रति पाँचवें वर्ष प्रयाग में महामोक्षपरिषद् आयोजित करता था।
- बाँसखेड़ा अभिलेख में हर्ष की वंशावली, प्रशासनिक संरचना तथा सैनिक अभियानों का वर्णन मिलता है।

कन्नौज

- प्राचीन काल में कन्नौज 'कान्यकुब्ज' के नाम से प्रसिद्ध था
  - पुष्यभूति शासक हर्षवर्द्धन के काल (606-647 ई.) में कन्नौज नगर 'महोदयश्री' अथवा 'महोदय नगर' भी कहलाता था। विष्णु-धर्मोत्तर पुराण में कन्नौज को 'महोदय' बताया गया है।
  - कन्नौज पर आधिपत्य के लिए गुर्जर-प्रतिहारों, पालों एवं राष्ट्रकूटों के मध्य दीर्घकालीन त्रिकोणीय संघर्ष हुआ था।
  - सर्वाधिक समय तक कन्नौज पर गुर्जर-प्रतिहारों ने शासन किया था।
  - 1018 ई. में महमूद गजनवी ने कन्नौज पर आक्रमण किया था।

- प्रतिहारों के बाद उ.प्र. में दो नए राजवंश जन्मे - 1. महोबा के चंदेल तथा 2. कन्नौज व बनारस के गहड़वाल।
- गहड़वाल नरेश गोविंद चन्द्र की पत्नी कुमार देवी ने सारनाथ में जिन धर्म चक्र बिहार' बनवाया था।
- मथुरा शाटक वस्त्र निर्माण का प्रमुख केन्द्र थी। यह श्वेतांबर जैन मत का केन्द्र थी। यहीं पर बौद्ध मत की सर्वास्तिवादी विचारधारा का उद्भव एवं विकास हुआ। मथुरा कला शैली, में बुद्ध की पहली मूर्ति का निर्माण हुआ था।

831 ई. में महोबा में चंदेलों ने अपनी राजधानी स्थापित की थी। चंदेलों का राज्य 'जेजाकभुक्ति' (जुझौती) के नाम से चर्चित था।

उत्तर प्रदेश में सल्तनत काल से संबंधित प्रमुख तथ्य

- कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1202 ई. में चंदेल शासक परमर्दिदेव को कालिंजर में पराजित किया था।
- सल्तनत काल में बदायूँ एक प्रमुख इक्ता थी। सुल्तान बनने से पूर्व इल्तुतमिश, बदायूँ के सूबेदार थे।
- सल्तनत काल में कड़ा (प्रयागराज के निकट पश्चिम में गंगा तट पर स्थित) महत्वपूर्ण इक्ता था।
- सुल्तान जलालुद्दीन खिलजी के समय कड़ा का सूबेदार अलाउद्दीन खिलजी था।
- यहीं से अलाउद्दीन खिलजी ने 1296 ई. में अपना देवगिरि अभियान संपन्न किया था।

- 1296 ई. में ही सुल्तान जलालुद्दीन खिलजी की हत्या अलाउद्दीन खिलजी ने यहीं (कड़ा नामक स्थान) पर करवा दी थी।
- फिरोज तुगलक ने उत्तर प्रदेश में दो नए नगरों फिरोजाबाद एवं जौनपुर का निर्माण कराया। जौनपुर की स्थापना 1358 ई० में फिरोजशाह तुगलक ने मुहम्मद बिन तुगलक उर्फ जौना खाँ की स्मृति में किया था। जौनपुर के शर्की साम्राज्य की स्थापना मलिक सरवर 'ख्वाजा जहाँ' ने की थी।
- सिकंदर लोदी ने 1504 ई. में आगरा शहर की नींव डाली और आगरा ने अपनी राजधानी बनाया।
- जौनपुर के शिक्षा, संस्कृति, कला व व्यापार का प्रमुख केन्द्र बन जाने से उसे 'शिराज-ए-हिंदुस्तान' (पूर्व का शिराज) कहा जाने लगा।
- मुगल काल में आगरा शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। आगरा के समीपवर्ती क्षेत्रों में मुगल काल में नील की खेती होती थी।

उत्तर प्रदेश में मुगल काल से संबंधित प्रमुख तथ्य

- बाबर ने आगरा को ही अपनी राजधानी बनाया था। बाबर ने संभल एवं अयोध्या में मस्जिद का निर्माण कराया।
- प्रयाग को इलाहाबाद नाम अकबर ने ही दिया था। अकबर ने ही इलाहाबाद के किले का निर्माण कराया था।
- अकबर (फतेहपुर सीकरी को शेख सलीम चिश्ती के कारण पवित्र भूमि मानता था। सलीम (जहाँगीर) का जन्म फतेहपुर सीकरी में शेख सलीम की खानकाह में हुआ था। 1573 से 1588 तक फतेहपुर सीकरी को मुगल साम्राज्य की राजधानी होने का गौरव भी प्राप्त है।
- अकबर के नवरत्नों में से 2 उत्तर प्रदेश के थे- बीरबल(), टोडरमल।
- अकबर के नवरत्नों में शामिल बीरबल कालपी से संबद्ध था। यहां से बीरबल का रंगमहल तथा मुगलकालीन टकसाल के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- 1659 ई. में औरंगजेब और शाहशुजा के मध्य खंजवा का युद्ध हुआ था। खंजवा उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में स्थित है।
- फतेहपुर सीकरी के स्थापत्य के उदाहरण शेख सलीम चिश्ती का मकबरा, बुलंद दरवाजा, जामा मस्जिद, जोधाबाई का महल, दीवाने-खास, बीरबल का महल, मरियम का महल, पंचमहल आदि हैं।

आगरा

यमुना नदी के तट पर स्थित आगरा की स्थापना 1504 ई. में सिकन्दर लोदी ने की थी।

आगरा के किले का निर्माण अकबर ने कराया था। यहीं पर जहाँगीर ने किले से यमुना नदी के दूसरे तट तक एक सोने की जंजीर लगवाई थी, जिसे 'न्याय की जंजीर' कहा जाता था।

आगरा में ही स्थित मुसम्मनबुर्ज से हरम की औरतें पशुयुद्ध देखती थीं।

आगरा में ही नूरजहाँ ने अपने पिता एतामुददौला का मकबरा बनवाया।

सफेद संगमरमर से बने इस मकबरे में अलंकरण के लिए पित्रादुरा शैली का प्रयोग किया गया है।

अपनी पत्नी मुमताजमहल की याद में शाहजहाँ ने ही आगरा के ताजमहल का निर्माण कराया था।

शाहजहाँ ने आगरा (फतेहपुर सीकरी) की जगह दिल्ली को राजधानी बनाया।

अवध के नवाब

सआदत खाँ उपाधि (बुरहान-उल-मुल्क) ने अवध राज्य की स्थापना की।

अवध के नवाब	
1. सआदत खां (बुरहान-उल-मुल्क)	1732-1739 ई.
2. सफदरजंग	1739-1753 ई.
3. शुजाउद्दौला	1753-1775 ई.
4. आसफउद्दौला	1775-1797 ई.
5. वजीर अली (मात्र 4 माह शासन)	1797-1798 ई.
6. सआदत अली खां	1798-1815 ई.
7. गाजीउद्दीन हैदर (इन्हें वर्ष 1819 में ब्रिटिश सरकार द्वारा 'राजा' की उपाधि दी गई)।	1815-1827 ई.
8. नासिरूद्दीन हैदर	1827-1837 ई.
9. मुहम्मद अली शाह	1837-1842 ई.
10. अमजद अली शाह	1842-1847 ई.
11. वाजिद अली शाह	1847-1856 ई.

- सफदरजंग को 1748 में मुगल साम्राज्य का वजीर भी बना दिया गया था। सफदरजंग के बाद शुजाउददौला नवाब बने। उन्होंने 1764 ई. की बक्सर की लड़ाई में अंग्रेजों के विरुद्ध मीरकासिम का समर्थन किया। इलाहाबाद की द्वितीय संधि अंग्रेजों एवं नवाब शुजाउद्दौला के मध्य हुई थी। इनका मकबरा गुलाबबाड़ी (अयोध्या) में स्थित है।
- नवाब आसफउद्दौला ने वर्ष 1775 में अपनी राजधानी फैजाबाद (वर्तमान में अयोध्या) से लखनऊ स्थानांतरित की।
- 1775 ई. में ही उन्होंने अंग्रेजों से फैजाबाद की संधि करके अंग्रेजों को बनारस सौंप दिया।
- नवाब आसफउद्दौला ने 1784 ई. में मुहर्रम मनाने के लिए लखनऊ में इमामबाड़ा बनवाया था। इस इमामबाड़ा में स्तम्भों का प्रयोग नहीं किया गया है।
- नवाब आसफउद्दौला के बाद वर्ष 1797 में वजीर अली नवाब बने। इनका शासनकाल केवल चार महीने रहा। अंग्रेजों ने इन्हें चुनार किले में कैद कर दिया।
- 1798 में सआदत अली खाँ अवध का नवाब बना। इन्होंने 1802 ई. में लार्ड वेलेजली से सहायक संधि की।
- अवध के अंतिम नवाब वाजिद अलीशाह थे। ये गायक, संगीतकार, नर्तक, कलाकारों के संरक्षक तथा वास्तुकला में रुचिवान् थे। 07 फरवरी, 1856 को लार्ड डलहौजी ने अवध पर कुशासन का आरोप लगाकर उसे ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया।

1707 ई. (औरंगजेब की मृत्यु) से 1757 ई. (प्लासी के युद्ध) तक वर्तमान उत्तर प्रदेश में पांच स्वतंत्र राज्य स्थापित हो चुके थे।

मेरठ तथा बरेली के उत्तर में नाजिब खान नामक पठान नेता का राज्य था।

दोआब क्षेत्र में रुहेलों के अंतर्गत रुहेलखंड राज्य स्थापित था।

फर्रुखाबाद के बंगश पठानों के अंतर्गत मध्य दोआब का राज्य स्थापित था।

अवध एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों पर अवध के नवाब का शासन था।

बुंदेलखंड क्षेत्र पर मराठों का आधिपत्य था।

उत्तर प्रदेश में 1857 का विद्रोह से संबंधित प्रमुख तथ्य

- 1857 की क्रांति (भारत का प्रथम स्वाधीनता संग्राम) की शुरुआत मेरठ से हुई। मंगल पांडे उत्तर प्रदेश बलिया के निवासी थे।
- 1857 ई. के इस विद्रोह से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र अवध और बुंदेलखंड थे।
- 1857 ई. के इस विद्रोह में शीघ्र ही अलीगढ़, बरेली, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद आदि को स्वतंत्र कराने के बाद विद्रोही सैनिकों एवं जमींदारों ने वहां अपनी सरकारें स्थापित कर ली थीं।
- 1857 ई. के विद्रोह का विस्तार इटावा, मैनपुरी, एटा, मथुरा, शाहजहांपुर, बदायूं, आजमगढ़, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, बनारस, फैजाबाद, फतेहपुर, हाथरस आदि छोटे-छोटे नगरों एवं कस्बों तक भी हो गया था।
- अवध की बेगम हजरत महल ने लखनऊ में विद्रोह का नेतृत्व किया। बेगम ने अपने अल्पवयस्क पुत्र बिरजिस कादिर को अवध का नवाब बना दिया।

स्थान	नेतृत्व कर्ता
लखनऊ	बेगम हजरत महल
कानपुर	नाना साहब (मुख्य संचालक-तात्या टोपे)
बरेली	खान बहादुर खान
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई
फैजाबाद	मौलवी अहमद उल्ला
इलाहाबाद	मौलवी लियाकत अली
काल्पी	तात्या टोपे
मथुरा	देवी सिंह
मेरठ	कदम सिंह
बागपत	शाहमल

- झाँसी में 1857 की क्रांति का नेतृत्व रानी लक्ष्मीबाई ने किया था। इनका बचपन का नाम मनु था। रानी लक्ष्मीबाई की वीरता पर मुग्ध होकर जनरल ह्यूरोज ने कहा था कि "विद्रोहियों में यदि कोई मर्द था, तो वह रानी थी।
- 05 जून, 1857 को नाना साहब को बिठूर (कानपुर) का पेशवा घोषित किया गया।
- अजीजन बेगम का जन्म लखनऊ में हुआ था। दुर्भाग्यवश वे उस समय की मशहूर तवायफ उमराव जान 'अदा' के साथ कानपुर में नाचने-गाने का काम करने लगीं थी।
- 1 नवंबर, 1858 को इलाहाबाद में लॉर्ड कैनिंग ने महारानी विक्टोरिया का घोषणा-पत्र पढ़कर सुनाया।
- 1858 ई. में दिल्ली डिवीजन को उत्तर - पश्चिमी प्रदेश से अलग कर दिया गया तथा प्रदेश की राजधानी को आगरा से इलाहाबाद स्थानांतरित कर दिया गया।

उ. प्र. में 1947 तक सम्पन्न कांग्रेस अधिवेशन

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष
1888	इलाहाबाद	जार्ज यूले
1892	इलाहाबाद	डब्ल्यू. सी. बनर्जी
1899	लखनऊ	रोमेश चन्द्र दत्त
1905	बनारस	गोपाल कृष्ण गोखले
1910	इलाहाबाद	विलियम वेडरबर्न
1916	लखनऊ	अम्बिका चरण मजूमदार
1925	कानपुर	सरोजिनी नायडू
1936	लखनऊ	जवाहर लाल नेहरू
1946	मेरठ	जे. बी. कृपलानी

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उ. प्र. में सर्वाधिक तीन-तीन बार अधिवेशन इलाहाबाद (अब प्रयागराज) एवं लखनऊ में हुए।
- वर्ष 1916 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग का अधिवेशन एक साथ लखनऊ में संपन्न हुआ था। इसी सम्मेलन में प्रसिद्ध 'कांग्रेस-लीग समझौता' हुआ था। कांग्रेस के इस अधिवेशन की अध्यक्षता अंबिका चरण मजूमदार ने की थी।
- उत्तर प्रदेश (तत्कालीन नाम – संयुक्त प्रांत) कांग्रेस कमेटी का प्रथम सम्मेलन 1908 में पं. मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ था।
- अक्टूबर, 1920 में उ.प्र. कांग्रेस का प्रांतीय सम्मेलन डॉ. भगवान दास की अध्यक्षता में मुरादाबाद में आयोजित किया गया था।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में घटित उत्तर प्रदेश से संबंधित प्रमुख घटनाएँ

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने अपनी पत्रिका 'कविवचन सुधा' में स्वदेशी आंदोलन का समर्थन किया।
- विदेशी शासन के खिलाफ जिहाद का नारा देने के उद्देश्य से 1866 ई. में मुहम्मद कासिम ननौतवी एवं रशीद अहमद गंगोही ने देवबंद (उ.प्र.) में इस्लामी मदरसे की स्थापना की ।
- अलीगढ़ में सर सैयद अहमद खाँ द्वारा 1875 ई. में स्थापित 'मोहम्मडन ऐंग्लो ओरिएंटल कॉलेज' का वर्तमान नाम 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय' है।
- सर सैयद अहमद खां ने मुसलमानों की स्थिति सुधारने के लिए 'अलीगढ़ आंदोलन' चलाया था।
- 1919 के रौलेट एक्ट को सरकार द्वारा वापस न लेने पर जून, 1920 में इलाहाबाद में एक सर्वदलीय सम्मेलन हुआ, जिसमें स्कूल, कालेजों और अदालतों के बहिष्कार के कार्यक्रम की घोषणा हुई। इस प्रकार प्रथम असहयोग आंदोलन तथा खिलाफत आंदोलन की नींव भी इलाहाबाद (अब- प्रयागराज) में रखी गयी थी।
- अक्टूबर, 1920 के मुरादाबाद में कांग्रेस के प्रांतीय सम्मेलन में गांधी जी के असहयोग आन्दोलन के प्रस्ताव को स्वीकार किया गया।
- जून, 1920 में इलाहाबाद में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में खिलाफत कमेटी की बैठक में खिलाफत आंदोलन के प्रस्ताव को पारित किया गया।
- असहयोग आंदोलन के दौरान बनारस में राष्ट्रीय शिक्षा के विकास हेतु 'राष्ट्ररत्न' शिव प्रसाद गुप्ता द्वारा काशी विद्यापीठ की स्थापना की गई थी।
- चौरीचौरा काण्ड गोरखपुर के चौरीचौरा नामक स्थान पर 04 फरवरी, 1922 को यह घटना घटी थी। इसमें क्रुद्ध भीड़ ने 22 पुलिस कर्मियों को थाने में जिंदा जला दिया था। इसी घटना के कारण गाँधी जी ने 12 फरवरी, 1922 को असहयोग आन्दोलन को स्थगित कर दिया था।
- 1923 में चितरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू ने मिलकर इलाहाबाद में स्वराज पार्टी की स्थापना की। इसके अध्यक्ष सी. आर. दास तथा महासचिव मोतीलाल नेहरू थे।
- सितंबर, 1924 में कानपुर के पत्रकार सत्यभक्त ने भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी की स्थापना की। इस दल का पहला सम्मेलन पेरियार की अध्यक्षता में कानपुर में हुआ।
- मदारी पासी ने 1921 में 'एका आंदोलन' चलाया था। एका आंदोलन लखनऊ, मलीहाबाद, हरदोई, उन्नाव, फतेहपुर तथा फर्रुखाबाद तक फैला हुआ था। इस आंदोलन के तहत जमींदारों के शोषण का विरोध किया गया।

- काकोरी कांड, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की एक अहम घटना है। यह घटना 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के पास काकोरी रेलवे स्टेशन पर घटी थी। इस घटना में हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश सरकार के खज़ाने को लूट लिया था। इस घटना को काकोरी ट्रेन एक्शन के नाम से भी जाना जाता है।
- काकोरी काण्ड में क्रांतिकारियों की पैरवी करने के लिए गठित वकीलों के पैनल/समिति के चेयरमैन मोतीलाल नेहरू थे। इस काण्ड में क्रान्तिकारियों की तरफ से मुकदमा चन्द्रभानु गुप्त ने लड़ा था। यह मुकदमा 'द्वितीय लाहौर षड्यन्त्र' के नाम से भी जाना जाता हैं।

काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को फांसी दी गयी	
पंडित राम प्रसाद बिस्मिल	गोरखपुर जेल
अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान	फैज़ाबाद जेल
ठाकुर रोशन सिंह	इलाहाबाद (प्रयागराज) जेल
राजेंद्रनाथ लाहिड़ी	उत्तर प्रदेश के गोंडा ज़िले में

- नवम्बर, 1928 में पं. जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में लखनऊ में 'साइमन कमीशन' का बहिष्कार किया गया था।
- 1931 में जवाहर लाल नेहरू ने इलाहाबाद में करबंदी आंदोलन प्रारंभ किया था।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1918 में गौरीशंकर मिश्र, इंद्रनारायण द्विवेदी तथा मदन मोहन मालवीय ने 'उ.प्र. किसान सभा' की स्थापना की थी।

बाबा रामचंद्र ने 17 अक्टूबर, 1920 को प्रतापगढ़ में ' अवध किसान सभा' का गठन किया।

ऑल इंडिया किसान सभा का गठन 11 अप्रैल 1936 को कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में हुआ। स्वामी सहजानंद सरस्वती इसके प्रथम अध्यक्ष थे।

- 1924 में चंद्रशेखर आजाद के द्वारा कानपुर में 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' की स्थापना की गई। इस संगठन में शचींद्र नाथ सान्याल, योगेश चंद्र चटर्जी, राम प्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहिड़ी इत्यादि क्रांतिकारी शामिल थे।
- 1937 के चुनाव में संयुक्त प्रान्त में कुल 164 सामान्य सीटों में से कांग्रेस को सर्वाधिक 134 सीटें मिली।
- गोविन्द बल्लभ पंत संयुक्त प्रान्त में 1937 में गठित कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री थे। इस सरकार ने अक्टूबर, 1939 में एक विस्तृत अधिनियम द्वारा कुटीर उद्योगों की स्थापना के साथ काश्तकारों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया था।
- भारत छोड़ो आन्दोलन (1942) के दौरान बलिया में चित्तू पाण्डेय ने समानान्तर सरकार का गठन किया था।
- 1942 के आंदोलन में गिरफ्तारी के बाद जवाहर लाल नेहरू को गोरखपुर की जेल में रखा गया था।
- 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत के संयुक्त प्रान्त में प्रथम कांग्रेसी सरकार का गठन पं. गोविन्द बल्लभ के नेतृत्व में हुआ।

उ.प्र. में सामाजिक-धार्मिक सुधार

- 1861 ई. में शिवदयाल साहब द्वारा आगरा में 'राधास्वामी सत्संग' की स्थापना की गई।
- थियोसोफिकल सोसायटी की एनी बेसेंट ने 1898 ई. में बनारस में 'सेंट्रल हिंदू कॉलेज' स्थापित किया था, जिसे मदन मोहन मालवीय जी ने 1916 ई० में बी.एच.यू. में बदल दिया।
- सर सैयद अहमद खाँ ने मुस्लिम समाज में समाज में सुधार हेतु 'अलीगढ़ आन्दोलन' चलाया। उन्होंने 1875 ई. में अलीगढ़ में 'मोहम्मडन एंग्लो ओरिएंटल कालेज' जो बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बना और 'साइंटिफिक सोसाइटी' स्थापित की।
- मुहम्मद कासिम ननौत्वी तथा रशीद अहमद गंगोही ने 1867 ई. में सहारनपुर में शुद्ध इस्लामी शिक्षा के केन्द्र में रूप में 'देवर्षद स्कूल' की स्थापना की थी।
- मौलाना शिबली नुमानी ने 1894 ई० में 'नवदाह उल मुल्क' की स्थापना की।
- प्राकृतिक आपदा के समय समाज सेवा करने तथा शिक्षा को प्रोत्साहन देना हेतु 1914 में हृदयनाथ कुंजरू ने इलाहाहाबाद में सेवा समिति की स्थापना की।

उत्तर प्रदेश का भूगोल

उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति	
भूगर्भिक दृष्टि से भाग	गोंडवाना लैंड
उत्तर प्रदेश के पठारी भाग के निर्माण का समय	विंध्य क्रम की शैलों द्वारा प्रीकैम्ब्रियन युग
उत्तर प्रदेश का क्षेत्रफल	2,40,928 वर्ग किलोमीटर (भारत के क्षेत्रफल का लगभग 7.33%)
अक्षांश	23°52' उत्तरी अक्षांश से 30°28' उत्तरी अक्षांश
देशांतर	77°3' पूर्वी देशांतर से 84°39' पूर्वी देशांतर
पूर्व से पश्चिम तक राज्य की लंबाई	650 किमी.
उत्तर से दक्षिण तक राज्य की लंबाई	240 किमी.
राज्य की सीमाएँ	9 (8 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश)
सर्वाधिक 4 प्रदेशों को स्पर्श करने वाला जिला	4 (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार)
उत्तर प्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा वाला राज्य	मध्य प्रदेश
उत्तर प्रदेश के साथ न्यूनतम सीमा वाला राज्य	हिमाचल प्रदेश
राज्य का सबसे पूर्वी जिला	बलिया
राज्य का सबसे पश्चिमी जिला	शामली
राज्य का सबसे उत्तरी जिला	सहारनपुर
राज्य का सबसे दक्षिणी जिला	सोनभद्र
राज्य का सबसे बड़ा जिला (क्षेत्रफल में)-	लखीमपुर खीरी (7680 वर्ग किमी.)
राज्य का सबसे छोटा जिला (क्षेत्रफल में)	हापुड़ (660 वर्ग किमी.)
सहारनपुर की सीमा कितने राज्यों से लगती है	तीन राज्य जुड़ते हैं (हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड)
राज्य में कृषि-जलवायु क्षेत्र	9
राज्य में बहने वाली प्रमुख नदियाँ	गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती और घाघरा
राज्य की सबसे लम्बी नहर प्रणाली	शारदा नहर
उत्तर प्रदेश का वह जिला जो तीन तरफ से मध्य प्रदेश से घिरा हुआ है	ललितपुर
प्रदेश के मुख्यतः प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजित किया गया	3 (भाबर एवं तराई प्रदेश , गंगा-यमुना का मैदान तथा दक्षिण का पठारी प्रदेश)

भाबर तथा तराई प्रदेश	सहारनपुर से लेकर देवरिया तक एक पतली पट्टी के रूप में विस्तृत क्षेत्र। भाबर में नदियाँ लुप्त हो जाती हैं तथा तराई में फिर से प्रकट हो जाती हैं। भाबर पर्वतीय भूभाग है जो कंकड़ों तथा पत्थरों से निर्मित है। भाबर में नदी से निर्मित जलोढ़ पंख तथा जलोढ़ शंकु जैसी स्थलाकृतियाँ बनती हैं। पूर्व से पश्चिम दिशा में यह संकरा हो जाता है। तराई क्षेत्र, भाबर के दक्षिण में दलदली गाद मिट्टी वाला क्षेत्र है जो महीन अवसादों से निर्मित है। प्रदेश के ऊंचाई वाले भागों में मिलने वाली प्राचीनतम् जलोढ़ मिट्टी को राढ़ नाम से जाना जाता है।
गंगा-यमुना का मैदानी प्रदेश	इसको मुख्यतः तीन भागों में विभाजित किया गया है यथा :गंगा यमुना का ऊपरी मैदान, गंगा का मध्य मैदानी प्रदेश तथा गंगा का पूर्वी मैदान। इसका निर्माण कांप (जलोढ़) मिट्टी से हुआ है। इसका निर्माण अभिनूतन तथा अतिनूतन युग में अवसादीकरण से हुआ है। इसकी ढाल पश्चिमाञ्चल में उत्तर से तथा पूर्वाञ्चल में पश्चिमोत्तर से दक्षिण-पूर्व की ओर है।
दक्षिण का पठारी प्रदेश	इसके अंतर्गत बुंदेलखंड एवं बघेलखंड के भू-भाग सम्मिलित हैं। यह दक्कन के पठार का ही विस्तार है जिसकी उत्तरी सीमा यमुना तथा गंगा द्वारा तथा दक्षिणी सीमा विंध्य पर्वत द्वारा निर्धारित होती है। पूर्व में केन नदी तथा पश्चिम में बेतवा तथा पाहुज नदियां इसकी सीमा निर्धारित करतीं है। बुंदेलखंड का निर्माण उत्तर प्रदेश के दक्षिणी उच्च प्रदेश में विंध्य काल की प्राचीनतम नीस चट्टानों तथा निम्न प्रदेशों में नादियों के निक्षेप से हुआ है। इसके पश्चिम में काली मृदा (रेगुर) का विस्तार है। बुंदेलखंड में शंक्वाकार टीले तथा च्लास नामक घास बहुतायत में पाई जाती है। बघेलखंड की प्रमुख नदी सोन है तथा इसके उत्तर में सोनपुर एवं दक्षिण में रामगढ़ की पहाड़ियाँ अवस्थित है। इसकी ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर है तथा इसकी प्रमुख नदियां चम्बल, बेतवा, केन,सोन एवं टोंस हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य की भौगोलिक सीमा		
क्र.सं.	**राज्य/देश**	**उत्तर प्रदेश की सीमाएँ जिलों से मिलती हैं**
1	मध्य प्रदेश (अधिकतम सीमा)	11 (आगरा, इटावा, जालौन, झाँसी, ललितपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्ज़ापुर और सोनभद्र)

2	बिहार	7 (सोनभद्र, चंदौली, ग़ाज़ीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर और महाराजगंज)
3	उत्तराखंड	7 (सहारनपुर, मुज़फ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और पीलीभीत)
4	हरियाणा	6 (सहारनपुर, शामली, बागपत, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़ और मथुरा)
5	दिल्ली	3 (बागपत, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर)
6	राजस्थान	2 (आगरा और मथुरा)
7	छत्तीसगढ़	1 (सोनभद्र)
8	झारखंड	1 (सोनभद्र)
9	हिमाचल प्रदेश(न्यूनतम सीमा)	1 (सहारनपुर)
10	नेपाल	7 (महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत)

उत्तर प्रदेश की जलवायु	
कटिबन्ध	उपोष्ण कटिबन्ध
जलवायु	उष्ण कटिबंधीय मानसून प्रकार की
कोपेन के अनुसार	शुष्क शीत वाला मानसूनी प्रकार अर्थात Cwg
थार्नथ्वेट के अनुसार	सम शीतोष्ण उपार्द्र अर्थात CBw जलवायु
सर्वाधिक औसत तापमान	बुंदेलखंड(कर्क रेखा से निकटता के करण)
सर्वाधिक गर्मी	झांसी तथा आगरा में
न्यूनतम गर्मी	बरेली
अधिकांश मानसूनी वर्षा	दक्षिण-पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा से
मध्य (mean) वर्षा के आकड़ों के आधार पर दक्षिण-पश्चिम मानसून से सर्वाधिक वर्षा	गोरखपुर
सर्वाधिक वार्षिक (माध्य) वर्षा	गोरखपुर(1245.3 मिमी)
न्यूनतम वार्षिक (माध्य) वर्षा	रायबरेली (463.8 मिमी)
2021 में सर्वाधिक वर्षा वाला जिला	सोनभद्र (967 मिमी.)
2021 में न्यूनतम वर्षा वाला जिला	अलीगढ़ (386 मिमी.)

उत्तर प्रदेश की मिट्टियाँ

- मृदा या मिट्टी पृथ्वी की ऊपरी सतह पर मिलने वाले असंगठित पदार्थों की ऊपरी परत है, जो चट्टानों के विखंडन एवं वियोजन तथा वनस्पतियों के अवसादों के योग से बनती हैं।
- किसी भी क्षेत्र की मृदाएं पैतृक पदार्थ (चट्टान), जलवायु दशाएं (वर्षा, तापमान), ढाल की तीव्रता, वनस्पति और समय (दीर्घकालिक, अल्पकालिक) पर निर्भर करती हैं। उ.प्र. की मिट्टियों को प्रो. वाडिया, कृष्णन एवं मुखर्जी के वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर दो भागों में विभाजित किया जाता है- (1) गंगा के विशाल मैदान की नूतन और उप-नूतन मिट्टियां तथा (ii) दक्षिण पठार की प्राचीन रवेदार और विंध्यन शैलीय या बुंदेलखंडीय मिट्टियां

गंगा के विशाल मैदान की मृदाएं	
संपूर्ण मृदा का विभाजन	दो वर्गों में (i) बांगर या पुरानी जलोढ़ मृदा, (ii) खादर या नवीन जलोढ़ मृदा।
प्राचीनतम जलोढ़ (कांप) मिट्टी	बांगर
नवीन जलोढ़ मिट्टी	खादर
बांगर मिट्टी (परिपक्व) में	फॉस्फोरस, चूना एवं ह्यूमस की पर्याप्त मात्रा जबकि नाइट्रोजन, पोटाश की कमी
बांगर मिट्टी के अन्य नाम	दोमट, मटियार, बलुई दोमट, मूंड या पुरातन जलोढ़ मिट्टी
पूर्वी भाग में बांगर मिट्टी का नाम	उपरहार मिट्टी
खादर मिट्टी	नदियों के बाढ़ वाले मैदानों में पाई जाती है
खादर मिट्टी की विशेषता	हल्के रंग वाली छिद्रयुक्त तथा महीन कणों वाली तथा बांगर की अपेक्षा अधिक उर्वर
खादर मिट्टी में	पोटाश एवं मैग्नीशियम 'की अधिकता जबकि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं ह्यूमस पदार्थों की कमी
खादर मिट्टी के अन्य नाम	नूतन जलोढ़, बलुआ, सिल्ट बलुआ, मटियार दोमट
लाल एवं काली मिश्रित मिट्टी	झांसी डिवीजन, मिर्जापुर, सोनभद्र के साथ-साथ प्रयागराज जिले के करछना और मेजा तहसील में पाई जाती है।
भाबर	भाबर पर्वतपदीय क्षेत्र है, यहां की मिट्टी मोटी बालुओं तथा कंकड़ और पत्थरों से निर्मित और बहुत छिछली है। इस क्षेत्र में नदियां लुप्त हो जाती हैं।
तराई क्षेत्र	भाबर के समानांतर निचले भाग में विस्तारित है। मृदा उपजाऊ, नम, दलदली और समतल है। इस मृदा में गन्ना एवं धान की अच्छी पैदावार होती है।
सर्वाधिक जलोढ़ क्षेत्र का विस्तार	गंगा-यमुना दोआब एवं गंगा-रामगंगा दोआब क्षेत्रों में
दोमट एवं बलुई मिट्टी के अन्य स्थानीय नाम	सिक्टा, करियाल एवं धनका
बलुई मिट्टी के 10-12 फीट ऊंचे टीलों के नाम	भूड़ (प्लीस्टोसीन युग में निर्मित)

2. बुंदेलखंडीय मृदा	
विस्तार	उ.प्र. के दक्षिणी पठार की मिट्टियां
अन्य नाम	भोंटा, माड (मार), कावड़, पड़वा (परवा), राकड़
काली मृदा के अन्य नाम	करेल, कपास अथवा रेगुर
काली मृदा का विस्तार	जालौन, झांसी, ललितपुर और हमीरपुर (चना, गेहूं, अरहर एवं तिलहन प्रमुख उपजें हैं।)
भोंटा मिट्टी	विंध्य पर्वतीय क्षेत्र में विस्तार
माड़ (मार) मिट्टी की विशेषता	काली मिट्टी या रेगुर मिट्टी के समान चिकनी सिलिकेट, लोहा एवं एल्युमीनियम की उपलब्धता
मांट मिट्टी	उ.प्र. के पूर्वी क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी में चूना अधिकता होती है।
पड़वा मिट्टी का विस्तार	हल्के लाल रंग की की मिट्टी जिसका विस्तार उ.प्र. के हमीरपुर, जालौन और यमुना नदी के ऊपरी जिलों में
राकड़ मिट्टी का विस्तार	उ.प्र. के दक्षिण पर्वतीय एवं पठारी ढलानों पर पाई जाने वाली मिट्टी है।
लाल मिट्टी का विस्तार	मिर्जापुर, सोनभद्र जिलों एवं झांसी में तथा बेतवा एवं धसान नदियों के जलप्लावित क्षेत्रों में
लाल मिट्टी का निर्माण	बालूमय लाल शैलों के अपक्षय से
लाल मिट्टी में किसकी कमी होती है	नाइट्रोजन, जीवांश, फॉस्फोरस एवं चूना खनिजों की
लाल मिट्टी की प्रमुख फसलें	गेहूं, चना एवं दलहन आदि फसलें
ऊसर एवं रेह मिट्टी	उ.प्र. के अलीगढ़, मैनपुरी, कानपुर, सीतापुर, उन्नाव, एटा, इटावा, रायबरेली एवं लखनऊ जिलों में पाई जाती है तथा ये लवण (Salt) से प्रभावित हैं।
रेहयुक्त क्षारीय ऊसर भूमि का सर्वाधिक विस्तार	उत्तर प्रदेश में
बंजर तथा भाट नामक मृदा	उ.प्र. के गोरखपुर, बस्ती, महराजगंज, कुशीनगर, सिद्धार्थ नगर एवं गोंडा जिलों में पाई जाती है।
बंजर मिट्टी की विशेषता	चिकनी और बलुई चिकनी दोनों प्रकार की होती है, इसमें चूना अपेक्षाकृत कम होता है।
ढूंह मृदा	जलप्लावित नदी के किनारे पाई जाने वाली मिट्टी को उ.प्र. में इस नाम से जाना जाता है।
टर्शियरी मिट्टी	उ.प्र. में शिवालिक पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाती है। यह मिट्टी, चाय की खेती के लिए उपयुक्त है।
मिट्टी में फॉस्फेट खनिज की कमी वाला क्षेत्र	उ.प्र. के उत्तर-पश्चिम भाग की मिट्टी में
पोटाश की कमी वाला क्षेत्र	जौनपुर, आजमगढ़ तथा मऊ जनपदों की मृदा में

मृदा	अन्य/स्थानीय नाम
खादर	नवीन जलोढ़ , कछारी, दोमट मटियार, सिल्ट बलुआ
बांगर	पुरानी जलोढ़, उपरहार मृदा, दोमट, मटियार बलुई-दोमट
ऊसर भूमि (लवणीय तथा क्षारीय)	रेह, बंजर तथा कल्लर
बलुई मिट्टी (ऊंचे टीले)	भूड़
काली मृदा	रेगुर, करेल या कपास मृदा
बुंदेलखंड क्षेत्र की मिट्टियां	लाल मृदा, परवा (पड़वा), माड (मार), राकर (राकड़) मृदा, भोंटा मृदा।

मृदा अपरदन

मृदा अपरदन क्या है ?	जल बहाव अथवा वायु के वेग अथवा हिम के पिघलने से एक स्थान की मिट्टी का अन्यत्र स्थान पर चला जाना मृदा अपरदन कहलाता है।
उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक वायु अपरदन वाला क्षेत्र	पश्चिमी क्षेत्रों में
उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक जलीय अपरदन वाला क्षेत्र	पूर्वी एवं दक्षिणी क्षेत्रों
चंबल नदी अधिग्रहण क्षेत्र में सर्वाधिक अवनालिका अपरदन वाला जिला	इटावा (इसके कारण ही आगरा, इटावा और जालौन जिलों में बीहड़ पाए जाते हैं)
उत्तर प्रदेश जलीय अपरदन के प्रकार तथा विस्तार	पश्चिमी क्षेत्र में अवनालिका अपरदन, दक्षिणी क्षेत्र में रिल अपरदन (Rill Erosion) तथा पूर्वी एवं उत्तरी क्षेत्र में परत अपरदन (Sheet Erosion)
मृदा अपरदन के मुख्य कारण	मानसून वर्षा की प्रकृति, वनों का अभाव तथा ढाल की तीव्रता आदि हैं।
वायु अपरदन से उ.प्र. के सर्वाधिक प्रभावित जिले	मथुरा एवं आगरा
जलीय अपरदन से उ.प्र. का सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र	हिमालय क्षेत्र का तराई प्रदेश
पूर्वी क्षेत्रों (तराई भागों में) की मृदा	अम्लीय मृदा
पश्चिमी एवं दक्षिणी क्षेत्रों की मृदा	लवणीय या क्षारीय मृदा

उत्तर प्रदेश की प्रमुख नदियां

उत्तर प्रदेश की प्रमुख नदियां				
नदी	**उद्गम**	**सहायक नदियां**	**कुल लंबाई (किमी.)**	**संगम**
गंगा	गंगोत्री हिमनद के गोमुख, उत्तराखंड	अलकनंदा, भागीरथी, यमुना, गोमती, घाघरा, गंडक व कोसी।	2525	बंगाल की खाड़ी
यमुना	बंदरपूंछ, उत्तराखंड	चंबल, बेतवा, केन, गिरी	1384	गंगा से प्रयागराज में
घाघरा	मापचा चुंग हिमनद से, तिब्बत	सरयू, शारदा, राप्ती, छोटी गंडक	1080	गंगा में छपरा के पास
चंबल	महू मध्य प्रदेश से (जनापाव पहाड़ी)	बनास, पार्वती, काली सिन्ध और क्षिप्रा	965	यमुना से इटावा के पास
सोन	अमरकंटक पहाड़ी से, मध्य प्रदेश	रिहन्द, उत्तरी कोयल और कनहर	780	गंगा में पटना के पास
रामगंगा	दूधतोली पहाड़ी, उत्तराखंड	खोन और गंगन	696	गंगा में कन्नौज के पास
बेतवा	रायसेन जिले से मध्य प्रदेश	धसान	590	यमुना
गोमती	उत्तर प्रदेश	सई,बर्ना, गचाई और जोमकाई	940	गाज़ीपुर ज़िला के समीप गंगा में
केन	कैमूर पहाड़ी से मध्य प्रदेश	अलोना, सोनार, मिरहासन, श्यामरी, उर्मिल, कैल आदि	427	यमुना नदी में बांदा के पास
टोंस	कैमूर श्रेणी में तमशाकुण्ड जलाशय से मध्य प्रदेश	वेलन	264	इलाहबाद के समीप करछना में गंगा नदी में
शारदा	कालापानी नामक स्थान उत्तराखंड	पूर्वी रामगंगा, धर्मा	350	बहराम घाट सीतापुर के पास घाघरा नदी से
राप्ती	रुकुमकोट, नेपाल			बरहज देवरिया , घाघरा नदी से
सिंध	नैनवास , राजस्थान			जालौन में यमुना नदी से
हिंडन	कलुवालाखोल , सहारनपुर			मोमनाथल , गौतम बुद्ध नगर में यमुना से

नहर	**उद्गम स्थल-संबंधित नदी**	**लाभांवित जिले**
पूर्वी यमुना नहर	फैजाबाद (सहारनपुर) में- यमुना नदी के बाँये से	सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली।
ऊपरी गंगा नहर	हरिद्वार के समीप गंगा के दायें से	सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, फिरोजाबाद, इटावा, मेरठ, बुलन्दशहर, अलीगढ़, फर्रुखाबाद, मथुरा, एटा, मैनपुरी, कानपुर, फतेहपुर, गाजियाबाद।
मध्य गंगा नहर	बिजनौर के समीप गंगा नदी से	गाजियाबाद, बुलंदशहर, हाथरस, मथुरा, फिरोजाबाद।
निचली गंगा नहर	नरौरा (बुलंद शहर) के समीप गंगा नदी से	बुलंदशहर, अलीगढ़, एटा, फर्रुखाबाद, मैनपुरी,
		फिरोजाबाद, कानपुर, फतेहपुर।
आगरा नहर	ओखला (दिल्ली) के समीप- यमुना नदी से	मथुरा, आगरा, दिल्ली, भरतपुर (राजस्थान), गुड़गाँव (हरियाणा)।
शारदा नहर	बनवासा के समीप शारदा नदी से	पीलीभीत, बरेली, शाहजहाँपुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखनऊ, रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, लखीमपुर खीरी, हरदोई।
सरयू (घाघरा) नहर	कतरनियाघाट के समीप शारदा नदी से	बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोण्डा, बस्ती।
बेतवा नहर	परिच्छा (झाँसी के समीप)- बेतवा नदी से	झाँसी, हमीरपुर, जालौन।
केन नहर	पन्ना (म.प्र.) के पास- केन नदी से	बाँदा

गण्डक नहर	नेपाल में- बूढ़ी गण्डक नदी से	कुशीनगर, महाराजगंज, देवरिया, गोरखपुर।
रानी लक्ष्मीबाई बाँध नहर	माताटीला (झांसी) के पास- बेतवा नदी से	झाँसी, हमीरपुर, जालौन।
रिहन्द घाटी योजना नहर	पिपरी (सोनभद्र) के पास रिहन्द नदी से	मिर्जापुर, सोनभद्र, वाराणसी, प्रयागराज।
धसान नहर	झाँसी के पास बेतवा नदी से	झाँसी, हमीरपुर।
ललितपुर बाँध नहर	ललितपुर के पास- शहजाद नदी से	ललितपुर, झाँसी, हमीरपुर, जालौन
हमीरपुर नहर	हमीरपुर के पास यमुना नदी से	झाँसी, हमीरपुर, जालौन।
कहोद नहर	झाँसी के पास बेतवा नदी से	झाँसी, जालौन।
अर्जुन बाँध नहर	चरखारी (हमीरपुर) के पास अर्जुन नदी से	हमीरपुर
मौदहा बाँध नहर	हमीरपुर के पास बिरमा नदी से	हमीरपुर
अहरौरा बाँध नहर	अहरौरा (वाराणसी)- गडई नदी से	वाराणसी, मिर्जापुर।
नगवाँ बाँध नहर	नगवाँ के पास- कर्मनाशा नदी से	मिर्जापुर, सोनभद्र।
नौगढ़ बाँध नहर	नौगढ़ (गाजीपुर) के पास- कर्मनाशा नदी से	वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, गाजीपुर।
सपरार नहर	झाँसी के पास सपरार नदी से	झांसी, हमीरपुर।
पूर्वी गंगा नहर	हरिद्वार के समीप गंगा नदी से	बिजनौर, मुरादाबाद।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख जल प्रपात	
जल प्रपात	**अवस्थिति**
विंधम, टाण्डा, कुसेहरा, लखनिया	मिर्जापुर
राजदारी, देवदारी	चंदौली
मुक्खा	सोनभद्र

उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख झीलें			
झील का नाम	**स्थिति/स्थान**	**झील का नाम**	**स्थिति/स्थान**
रामगढ़ताल और चिलुआताल	गोरखपुर	चक्र कुण्ड (नौमिश)	सीतापुर
कीठम (सूर सरोवर)	आगरा	सुरहा ताल	बलिया
गौर झील	रामपुर	करेला	लखनऊ
समसपुर झील	रायबरेली	राधाकुंड	मथुरा
बड़ा ताल (गोखुर)	शाहजहांपुर	कुन्द्रा समुंदर	उन्नाव
मदन सागर	महोबा	बल्हापारा	कानपुर
बरुआ सागर	झांसी	औंधी ताल	वाराणसी
दरवन झील	अंबेडकर नगर	शेखा झील	अलीगढ़
राजा का बांध	सुल्तानपुर	टांडा दरी (दरारगर्त)	मिर्जापुर
बेलासागर (कृत्रिम झील)	महोबा	मोती झील	कानपुर शहर
चित्तौरा झील	बहराइच	पार्वती अर्गा झील	गोंडा
सागर ताल	बदायूं	लिलूर झील	बरेली
राजा का ताल	महोबा	गुज्जर ताल	जौनपुर

उत्तर प्रदेश के प्रमुख बांध		
बांध का नाम	**किस नदी पर**	**स्थिति/निकटतम स्थान**
गोविंद बल्लभ पंत सागर (रिहंद)	रिहंद	पिपरी (सोनभद्र)
ओबरा	रिहंद	राबर्ट्सगंज (सोनभद्र)
कनहर	कनहर	राबर्ट्सगंज (सोनभद्र)
मुशाखंड	कर्मनाशा	चंदौली
चंद्रप्रभा	चंद्रप्रभा	चकिया (चंदौली)
जिर्गो	जिर्गो	मिर्जापुर
अहरौरा	गराई	मिर्जापुर
मेजा	बेलन	मिर्जापुर
अधवा (अदवा)	अधवा	मिर्जापुर
सिरसी	बखेर	मिर्जापुर
गढ़वा	गढ़वा	चित्रकूट
जामिनी	जामिनी	ललितपुर
रोहिणी	रोहिणी	ललितपुर
माताटीला	बेतवा	ललितपुर
शहजाद	शहजाद	ललितपुर
गोविंद सागर	शहजाद	ललितपुर
सजनाम	सजनाम	ललितपुर
रामघाट	बेतवा	ललितपुर
मौदहा	बिरमा	हमीरपुर
सुकमा-डुकमा	बेतवा	झांसी
पारीछा	बेतवा	झांसी
पथराई	पथराई और सुखनाई	झांसी
अर्जुन	अर्जुन	महोबा
सलारपुर	करदिया	महोबा

कृषि

- प्रदेश में कुल पारिस्थितिकीय क्षेत्र - 20
- प्रदेश में कुल कृषि जलवायु क्षेत्र - 9
- प्रदेश में कुल मृदा समूह क्षेत्र-8
- कृषि गणना 2015-16 के अनुसार औसत क्रियाशील जोत आकार - 0.73 हेक्टेयर(भारत में 1.08 हेक्टेयर)
- सस्य गहनता - 155.89% (2012-13)
- भारत की कुलभूमि का 15% कृषि भूमि उपलब्ध है(भारत की कुल कृषि योग्य भूमि का 10.34 %)
- शुद्ध सिंचित क्षेत्र - 144.16 लाख हेक्टेयर
- सकल सिंचित क्षेत्र -229.94 लाख हेक्टेयर
- कृषि गणना 2015-16 में देश की कुल 146.45 मिलियन क्रियाशील जोतों में सर्वाधिक संख्या (23.82 मिलियन) उत्तर प्रदेश में हैं।

गेहूँ-

- राज्य की सर्वप्रमुख फसल
- सर्वाधिक उत्पादकता गंगा-घाघरा दोआब क्षेत्र

गन्ना

- राज्य की सर्वाधिक महत्पूर्ण नकदी/व्यापारिक फसल
- राज्य की सर्वाधिक सिंचित फसल
- मेरठ जिले का गन्ना सबसे अधिक अच्छा माना जाता है।

अफीम

- सर्वाधिक उत्पादन- बाराबंकी
- एक मात्र फैक्ट्री- गाजीपुर

पटसन/जूट

- प्रदेश में जूट मिलें - कानपुर, सहजनवा (गोरखपुर)

आम

- स्टेम आम - सहारनपुर, मेरठ
- दशहरी (मलीहाबादी) - मलीहाबाद (लखनऊ)
- सफेदा, चौसा – सहारनपुर
- रटौल - मेरठ, बागपत
- लंगडा - वाराणसी

नवाब ब्रांड

- दशहरी, चौसा, लंगड़ा
- निर्यात - दशहरी आम का।

आलू

- अन्य प्रदेशों में ताज ब्रान्ड के नाम से बेंचा जाता है।

संतरा

- सर्वाधिक उत्पादन -सहारनपुर

सिंचाई:-

- नलकूप (72.17%) > नहर (19.44%) तालाब (0.75%)
- नलकूपों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई -पश्चिमी उत्तर प्रदेश
- नहरों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई -पश्चिमी उत्तर प्रदेश
- सर्वाधिक भूमिगत जल का उपयोग करने वाला जिला - आगरा
- देश में नलकूपों द्वारा सिंचित सर्वाधिक क्षेत्रफल – उत्तर प्रदेश
- प्रदेश में नहरों की सर्वाधिक लंबाई – रायबरेली

वर्ष 2021-22 (चतुर्थ अग्रिम अनुमान) में प्रमुख फसलों के उत्पादन में उत्तर प्रदेश की भारत में स्थिति

फसलें (उत्पादन मिलियन टन में)	देश में उ.प्र. का प्रतिशत हिस्सा	देश में स्थान
चावल (15.27)	11.72	द्वितीय
गेहूं (33.95)	31.77	प्रथम
कुल खाद्यान्न (56.11)	17.77	प्रथम
गन्ना (177.43)	41.09	प्रथम
कुल दलहन (2.56)	9.25	पंचम
तूर /अरहर (0.35)	8.00	तृतीय
मसूर (0.47)	36.43	प्रथम
बाजरा (1.95)	20.25	द्वितीय
रेपसीड/सरसों (1.03)	8.81	चतुर्थ
तंबाकू (0.11)	14.44	तृतीय

कृषि/योजनाए/कार्यक्रम

नई कृषि नीति-2013

कृषि की विकास दर 5.1% लक्षित

किसान मित्र योजना- (18 जून 2001 से)

प्रत्येक पंचायत से एक किसान मित्र

योग्यता – इण्टर/स्नातक कृषि

किसान बही योजना- 1992 से

किसान वृद्धावस्था पेंशन योजना- 2 Oct 2003 से

60 वर्ष से अधिक के व्यक्तियों के लिए

3.25 एकड़ भूमि तक के किसानों को

कृषक दुर्घटना बीमा योजना- Sep. 2004 से

12-70 वर्ष आयु वर्ग

क्षतिपूर्ति – 5 लाख रूपये

किसान क्रेडिट कार्ड योजना- 1998-99

जीवन ज्योति परियोजना- अक्टूबर 2008 से

उद्देश्य - मनरेगा मजदूरों को अतिरिक्त रोजगार सृजित कराना।

उ० प्र० चकबंदी एक्ट- 1954 से लागू

प्रदेश की प्रथम दुग्ध सहकारी समिति कटरा (इलाहाबाद)

प्रादेशिक को-ऑपरेटिव डेरी फेडरेशन- 1962

पशु चिकित्सा पाली क्लीनिक- मुजफ्फरनगर, गोरखपुर, लखनऊ

पशु चारा बैंक- भरारी (झांसी)

कामधेनु योजना- 5 मार्च 2014

पशुपालन में राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश की स्थिति

कुल पशु संख्या में प्रथम स्थान

एग्रो पार्क- हापुड़, सहारनपुर, लखनऊ, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वन तथा वनस्पतियाँ

ISFR-2021 के अनुसार उत्तर प्रदेश में मात्र 6.15 प्रतिशत क्षेत्र पर वनावरण शेष है। वृक्षावरण क्षेत्र (3.08%) को मिलाकर यह प्रतिशत 9.23 तक पहुंचता है। प्रदेश सरकार द्वारा इसे 15 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है जबकि राष्ट्रीय वन नीति, 1988 के अनुसार, किसी भी भौगोलिक क्षेत्र के 33.33 प्रतिशत भू-भाग पर वन होने आवश्यक है।

- उत्तर प्रदेश की प्रथम वन नीति वर्ष 1952 में तथा द्वितीय वन नीति वर्ष 1998 में घोषित की गई थी।
- वर्तमान में उत्तर प्रदेश वन नीति, 1998 के स्थान पर प्रदेश में 'राज्य वन नीति, 2017' लागू कर दी गई है।
- राज्य सरकार द्वारा भारतीय वन (उ.प्र. संशोधन) अधिनियम, 2000 अप्रैल, 2001 में लागू हुआ।
- किसी राज्य में वनों का क्षेत्रफल वन क्षेत्र (Forest Area) एवं वनावरण (Forest Cover) के आधार पर व्यक्त किया जाता है।उ.प्र. वन निगम की स्थापना 25 नवंबर, 1974 को की गई थी।

भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2021	
उत्तर प्रदेश में कुल अभिलिखित (Recorded) वन क्षेत्र	17384 वर्ग किमी उत्तर प्रदेश कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का-**7.22%**
कुल अभिलिखित वन क्षेत्र (Total RFA) का विभाजन	अभिलिखित वन क्षेत्र-**11560 वर्ग किमी.** संरक्षित वन क्षेत्र -**296 वर्ग किमी.** अवर्गीकृत वन क्षेत्र- **5,528 वर्ग किमी.**
उत्तर प्रदेश में कुल वनावरण	14817.89 वर्ग किमी उत्तर प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का-**6.15%**
उत्तर प्रदेश में अति सघन वन	2626.61 वर्ग किमी. (कुल क्षेत्र का **1.09%)**
उत्तर प्रदेश में मध्यम सधन वन	4029.37 वर्ग किमी. (कुल क्षेत्र का **1.67%)**
उत्तर प्रदेश में खुला वन क्षेत्र	8161.91 वर्ग किमी. (कुल क्षेत्र का **3.39%)**
उत्तर प्रदेश में वृक्षावरण	7421 वर्ग किमी. कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का **3.08%** क्षेत्र
उत्तर प्रदेश में झाड़ियों (Scrub) का क्षेत्र	563.38 वर्ग किमी. (कुल क्षेत्र का 0.23%)
उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक अति सघन वन क्षेत्र वाला जिला	लखीमपुर खीरी
उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक मध्यम सधन तथा खुला वन क्षेत्र वाला जिला	सोनभद्र
ISFR-2019 के संशोधित आंकड़ों की तुलना में उत्तर प्रदेश में वनावरण में वृद्धि	12.24 वर्ग किमी.
उत्तर प्रदेश के 3 शीर्ष वनावरण वाले जिले	सोनभद्र , खीरी , मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश के 3 न्यूनतम वनावरण वाले जिले	संत रविदास नगर , मऊ , मैनपुरी
उत्तर प्रदेश के 3 शीर्ष वनावरण प्रतिशत वाले जिले	सोनभद्र , चंदौली , चित्रकूट
उत्तर प्रदेश के 3 न्यूनतम वनावरण प्रतिशत वाले जिले	संत रविदास नगर, मैनपुरी, देवरिया

उत्तर प्रदेश के वन्यजीव विहार		
वन्य जीव विहार	**स्थिति**	**स्थापना**
चन्द्रप्रभा वन्यजीव विहार	चन्दौली	1957
किशनपुर वन्य जीव विहार	लखीमपुर (खीरी)	1972
कतरनिया घाट वन्य जीव विहार	बहराइच	1976
रानीपुर वन्य जीव विहार	चित्रकुट	1977
महावीर स्वामी वन्य जीव विहार	ललितपुर	1977
राष्ट्रीय चम्बल वन्य जीव विहार	आगरा, इटावा	1979
कैमूर वन्य जीव विहार	मिर्जापुर, सोनभद्र	1982
हस्तिनापुर वन्य जीव विहार	मेरठ, मुजफ्फर नगर, हापुड़, अमरोह, बिजनौर	1986
सोहागी बरवा वन्यजीव विहार	महाराज गंज	1987
सोहेलवा वन्य जीव विहार	बलरामपुर, गोडा, श्रावस्ती	1988
कछुआ वन्य जीव विहार	वाराणसी	1989

अन्य तथ्य	
सबसे पहला/पुराना वन्य जीव विहार	चन्द्रप्रभा वन्य जीव विहार
सबसे बड़ा वन्य जीव विहार	हस्तिनापुर वन्य जीव विहार
सबसे छोटा वन्य जीव विहार	महावीर स्वामी वन्य जीव विहार
सबसे नया वन्य जीव विहार	कछुआ वन्य जीव विहार
कुल वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र	31
वन्य जीव विहार	11

पक्षी विहार	15	चाँद खम्हरिया कृष्ण मृग आरक्षित वन्य क्षेत्र सहित
राष्ट्रीय उद्यान	1	दुधवा
टाइगर रिजर्व	4	दुधवा, पीलीभीत, अमनगढ़ , रानीपुर

एलिफेन्ट रिजर्व	2	शिवालिक एलीफेंट रिजर्व, तराई एलीफेंट रिजर्व
रामसर स्थल	10	

उत्तर प्रदेश में रामसर स्थलों की सूची	
रामसर स्थल	**अवस्थिति**
नवाबगंज पक्षी विहार	उन्नाव
पार्वती अर्गा पक्षी विहार	गोंडा
समन पक्षी विहार	मैनपुरी
समसपुर पक्षी विहार	रायबरेली
सांडी पक्षी विहार	हरदोई
सरसई नावर झील	इटावा
सूर सरोवर	आगरा
ऊपरी गंगा	बृजघाट से नरौरा
बखिरा वन्यजीव विहार	संत कबीर नगर
हैदरपुर आर्द्रभूमि	मुजफ्फरनगर , बिजनौर

प्रदेश में खनिज संसाधनों के प्रमुख क्षेत्र	
खनिज	**प्राप्ति क्षेत्र**
चूना पत्थर	सोनभद्र
कोयला	सिंगरौली (सोनभद्र)
बॉक्साइट	बांदा, वाराणसी, ललितपुर, चित्रकूट
डोलोमाइट	बारी (सोनभद्र), बांदा
कांच बालू	प्रयागराज, बांदा, अलीगढ़, चित्रकूट
पोटाश लवण	प्रयागराज, चंदौली, बांदा, झांसी, सोनभद्र
एंडालुसाइट	सोनभद्र, मिर्जापुर
पाइरोफाइलाइट	झांसी, ललितपुर, महोबा एवं हमीरपुर
तांबा	ललितपुर (सोनराई क्षेत्र)
फायरक्ले	बांसी-मकरी-खोह (मिर्जापुर), सोनभद्र
रॉक फॉस्फेट	ललितपुर
सेलखड़ी	हमीरपुर, झांसी
सोनभद्र	पाइराइट्स
हीरा	बांदा एवं मिर्जापुर
सोना	सोनभद्र, ललितपुर
क्वार्ट्ज	झांसी, ललितपुर, महोबा
यूरेनियम	ललितपुर
संगमरमर	मिर्जापुर, सोनभद्र
एस्बेस्टस	मिर्जापुर, झांसी
जिप्सम	झांसी, हमीरपुर
सैंड स्टोन	मिर्जापुर
डायस्पोर	हमीरपुर, झांसी, महोबा एवं ललितपुर
ग्रेनाइट	बांदा, झांसी, हमीरपुर, ललितपुर, महोबा, जालौन एवं सोनभद्र
लौह अयस्क	ललितपुर
फेल्सपार	झांसी
सिलिमेनाइट	सोनभद्र
गेरू	बांदा
कैल्साइट	मिर्जापुर
चाइना क्ले	सोनभद्र, बांदा

प्रदेश की जल विद्युत परियोजनाएँ-		
परियोजना	**नदी**	**स्थिति**
रिहन्द	रिहन्द	पिपरी (सोनभद्र)
ओबरा	रिहन्द	ओबरा (सोनभद्र)
माताटीला	बेतवा	झाँसी
परिच्छा	बेतवा	झाँसी
शारदा	शारदा	बनवासा (चम्पावत जिला, उत्तराखंड)
राजघाट	बेतवा	ललितपुर

उत्तर प्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ	
जनजातियां	**निवास स्थल**
खरवार / खैरवार	सोनभद्र, चन्दौली, मिर्जापुर, देवरिया, गाजीपुर आदि
सहरिया	ललितपुर
पठारी, बैगा, परहिया, अगरिया, भुइया, भुनिया	सोनभद्र
पांखा, पनिका	मिर्जापुर, सोनभद्र
चेरो	सोनभद्र, चन्दौली
गोण्ड, धुरिया, नायक, ओझा, राज गोण्ड	महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़, सोनभद्र, बलिया, मिर्जापुर, वाराणसी, जौनपुर
माहीगीर	बिजनौर, जलालाबाद
थारू	तराई क्षेत्र मुख्यतः गोरखपुर

उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख संस्थान	
संस्थान	**अवस्थिति**
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च	लखनऊ
सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर	लखनऊ
नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट	कानपुर
भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	कानपुर
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	प्रयागराज
लक्ष्मीपति सिंघानिया हृदय रोग संस्थान	कानपुर
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान	इज़्ज़तनगर (बरेली)
भारतीय सब्ज़ी अनुसंधान संस्थान	वाराणसी
भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान	झाँसी
भारतीय कालीन औद्योगिक संस्थान	भदोही
भारतीय हथकरघा तकनीकी संस्थान	चौकाघाट (वाराणसी)
उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद	लखनऊ

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण	लखनऊ
व्यापार सुविधा केंद्र एवं क्रॉफ्ट म्यूज़ियम	वाराणसी
बायोटेक्नोलॉजी पार्क उत्तर प्रदेश	लखनऊ
वी.वी. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट	नोएडा
उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड	कानपुर
उत्तर प्रदेश ग्रामीण आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय	सैफई (इटावा)
उत्तर प्रदेश औद्योगिक सहकारी संघ	कानपुर
उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम	कानपुर
प्रादेशिक औद्योगिक व पूंजी निवेश निगम	लखनऊ
उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम लि.	कानपुर
उद्यमिता विकास संस्थान	लखनऊ
सुगंध एवं सुरस विकास केंद्र	कन्नौज
उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान	कानपुर
उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड	कानपुर
उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लिमिटेड	लखनऊ
राज्य चर्म विकास एवं विपणन निगम लिमिटेड	आगरा
उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लिमिटेड	लखनऊ
राजकीय चीनी मिट्टी बर्तन विकास केंद्र	चुनार व खुर्जा
उत्तर प्रदेश हस्तशिल्प विकास एवं विपणन निगम लिमिटेड	लखनऊ
उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण	कानपुर
उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद	शाहजहांपुर
सेंट्रल लेप्रोसी इंस्टिट्यूट	आगरा
कपड़ा अनुसंधान संस्थान	गाजियाबाद
बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान	लखनऊ
अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (रिसर्च डिजाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन; भारतीय रेल)	लखनऊ
नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज	लखनऊ
इंडियन ब्रेन स्टोरेज मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट	हापुड़
केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG)	मथुरा
गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान	प्रयागराज
सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट	सहारनपुर
राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (NIESBUD)	नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स (NIB)	नोएडा
वी.वी. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट	नोएडा

परिवहन एवं संचार	
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी	फुर्सतगंज (अमेठी)
राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई की दृष्टि से प्रदेश का देश में स्थान	प्रथम
उत्तर प्रदेश राज्य राजमार्ग प्राधिकरण का गठन	2004 ई. में
यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का गठन	2001 ई. में
देश का सबसे लंबा ग्रीन फील्ड (एक्सेस कंट्रोल्ड) एक्सप्रेस-वे	आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे (302 किमी.)
उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की स्थापना	1972 ई. में
उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की स्थापना	1973 ई. में
लखनऊ मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड का गठन	2013 ई. में
लखनऊ मेट्रो का व्यावसायिक संचालन प्रारंभ	5 सितंबर, 2017 से
राज्य में प्रथम रेलगाड़ी मार्च 1859 ई. में चलाई गई	प्रयागराज से कानपुर
प्रदेश में कुल रेल नेटवर्क	9167 किमी. (देश में प्रथम)
प्रदेश में 15 मई, 1947 को बस सेवा प्रारंभ की गई	लखनऊ से बाराबंकी के मध्य
पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की अनुमानित लंबाई	340.82 किमी.
लखनऊ दूरदर्शन की स्थापना हुई	27 नवंबर, 1975 को
अयोध्या से जनकपुर (नेपाल) के मध्य बस सेवा का प्रारंभ	मई 2018 से
पैराट्रूपर्स ट्रेनिंग स्कूल स्थित है	आगरा
आदित्य बिड़ला ग्रुप ने निजी हवाई अड्डा विकसित किया	म्योरपुर (सोनभद्र) में
देश का पहला मल्टीमॉडल टर्मिनल बनाया गया है	राल्हूपुर (वाराणसी) में
प्रदेश में लखनऊ आकाशवाणी केंद्र की स्थापना हुई	2 अप्रैल, 1938 को
भारत में सर्वप्रथम हवाई डाक सेवा शुरू हुई	इलाहाबाद (प्रयागराज) से नैनी के मध्य
उत्तर प्रदेश में हवाई अड्डे	21
उत्तर प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे	(5) नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (निर्माणधीन), महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, (अयोध्या) कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, (कुशीनगर) चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, (लखनऊ) और लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, (वाराणसी) हैं।
कुल संचालित एक्सप्रेसवे	(1225 किमी) 1. यमुना एक्सप्रेसवे- 165 किमी-

	2. नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे- 25 किमी। 3. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे- 302 किमी। 4. दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे- 96 किमी। 5. पूर्वांचल एक्सप्रेसवे- 341 किमी। 6. बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे- 296 किमी।
कुल निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे	(1974 किमी) 1. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे- 91 किमी। 2. गंगा-एक्सप्रेस वे- 594 किमी। 3. लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे- 63 किमी। 4. गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेसवे- 380 किमी। 5. गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे- 519 किमी। 6. दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे- 210 किमी। 7. गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेसवे- 117 किमी।

प्रमुख एक्सप्रेस-वे जिलेवार स्थिति

नाम	कहाँ से कहाँ तक	लंबाई	ज़िला
गंगा एक्सप्रेस-वे	मेरठ से प्रयागराज	594 किमी. (6 लेन)	मेरठ, अमरोहा, बुलंदशहर, बदायूँ, शाहजहाँपुर, फर्रुखाबाद, हरदोई, कन्नौज, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, प्रयागराज
पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे	लखनऊ (चाँद सराय) से गाज़ीपुर (हैदरिया गाँव)	340.824 किमी. (6 लेन)	लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ, गाज़ीपुर
बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे	चित्रकूट से इटावा (आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर)	296.07 किमी. (4 लेन)	चित्रकूट, बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया, इटावा

प्रमुख उद्योग	संबंधित जिले
कालीन	भदोही, मिर्जापुर
पीतल की वस्तुएं	मुरादाबाद, वाराणसी
विस्फोटक	कानपुर
उर्वरक	आँवला
सिंथेटिक रसायन	बरेली
रबर	मोदी नगर
मार्बल वर्क	आगरा
काष्ठ नक्काशी	सहारनपुर
बाँस	बरेली
जरी	बरेली
काँच की वस्तुएँ	फिरोजाबाद
चिकन कारी -	लखनऊ
काष्ठ पादुका, बाँसुरी	पीलीभीत
मिट्टी के बर्तन	खुर्जा
पीतल कला	झाँसी
पाली फाइबर	बाराबंकी
लकड़ी की नक्कासी	सहारनपुर
वूड कार्विंग	सहारनपुर
कपड़ों की छपाई	फर्रुखाबाद
बीड़ी	मिर्जापुर, झाँसी
परफ्यूम	कन्नौज
ग्लास बीड्स -	वाराणसी
चीनी मिट्टी के बर्तन	चिनहट
कागज	सहारनपुर
मेटल क्राफ्ट	मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश के प्रमुख कारखाने	
जूट कारखाना	कानपुर, सहजनवा (गोरखपुर)
तेल शोधन कारखाना	मथुरा
फास्फेट उर्वरक कारखाना	इलाहाबाद, मगरवाडा (कानपुर)
सीमेन्ट कारखाना	चुनार (मिर्जापुर), चुर्क डाला (मिर्जापुर)
अफीम कारखाना	गाजीपुर
यूरिया उर्वरक कारखाना	इफ्को-फूलपुर, शक्तिमान जगदीशपुर (अमेठी)
पालिएस्टर रेशा फैक्ट्री	बाराबंकी
बायोसल्फाइड कारखाना -	कानपुर
भारत एक्सप्लोसिव (बारूद फैक्ट्री)	ललितपुर
कृत्रिम रबर कारखाना	मोदीनगर (गाजियाबाद)

स्टील अथारिटी लि०	जगदीशपुर
भारत इलेक्ट्रानिक्स लि०	गाजियाबाद
कृत्रिम अंग निर्माण लि०	कानपुर
भारत स्टील रोलिंग मिल	मेरठ
मदर डेयरी दूध प्लांट	इटावा

केन्द्र सरकार द्वारा 2006 में शुरू किये गए प्रमुख क्लस्टर	
कार्पेट क्लस्टर	भदोही
पाटरी क्लस्टर	खुर्जा
लेदर क्लस्टर	चौरी-चौरा
मिंट क्लसटर्स	बदायूँ
ब्लैक पाटरी	आजमगढ़
मेगा हथकरघा	आजमगढ़
प्रमुख औद्योगिक संस्थान	
उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम	कानपुर
उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास लि०	कानपुर
उत्तर प्रदेश लघु उद्योग लि०	कानपुर
उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लि०	लखनऊ
उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक निगल लि०	लखनऊ
उत्तर प्रदेश हथकरघा वि० लि०	कानपुर
औद्योगिक विकास प्राधिकरण: - कुल-6	
नवीन ओखला (नोएडा)	गौतम बुद्ध नगर (1976)
गीडा	गोरखपुर (1989)
सतहरिया (सीडा)	जौनपुर (1989)
यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा)	2001
लीडा	लखनऊ (2005)
ग्रेटर नोएडा	(1991)
अन्य तथ्य	
एशिया का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार	मेरठ
मुख्य SEZ	नोएडा, भदोही, मुरादाबाद, आगरा, कानपुर
निवेश मित्र योजना	(2009) एकल खिड़की व्यवस्था से निवेश
उद्योग बंधु योजना	औद्योगिक ईकाइयों की समय बद्ध स्थापना
खुर्जा (बुलंदशहर)	चीनी मिट्टी
चमड़ा व डेरी उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।	उन्नाव
प्रथम निर्यात औद्योगिक पार्क	ग्रेटर नोएडा
उत्तर प्रदेश की उच्चतम वृद्धि दर	6 वीं पंचवर्षीय योजना
वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला	गोरखपुर - सबसे बड़ी
इंदिरा गाँधी नक्षत्रशाला	लखनऊ शनिग्रह के आकार में

जवाहर नक्षत्रशाला	इलाहाबाद
डॉ भीमराव अम्बेडकर नक्षत्रशाला	रामपुर लेजर तकनीक पर आधारित
नील-हरित शैवाल जैव उर्वरक परियोजना	लखनऊ (बख्शी तालाब)
जेट्रोफा क्लोनिंग परियोजना	लखनऊ (बक्शी तालाब)
प्रदेश में विज्ञान का सबसे बड़ा पुरस्कार	विज्ञान गौरव पुरस्कार
भारत का जैव प्रौद्योगिकी नगर	लखनऊ
स्टेट डाटा सेन्टर	लखनऊ
राज्य का पहला एड्स हॉस्पिटल	कानपुर मेडिकल कॉलेज
राष्ट्रीय मानसिक चिकित्सा	वाराणसी, बरेली
संक्रामक रोग चिकित्सा	मथुरा, फैजाबाद, मिर्जापुर
पर्यावरण निदेशालय का गठन	1976 में
उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड-	13 जुलाई 1982
जल व वायु प्रयोगशाला- -	लखनऊ
राज्य हिन्दी संस्थान	वाराणसी
राष्ट्रीय हिन्दी संग्रहालय -	आगरा
भोजपुरी भवन	वाराणसी
कन्हैयालाल मणिकलाल हिन्दी संस्थान	आगरा
प्रदेश का पहला कॉलेज	म्योर सेन्ट्रल कॉलेज (1858)
उर्दू प्रशिक्षण व अनुसंधान केन्द्र	लखनऊ
बेसिक शिक्षा परिषद की स्थापना	25 जुलाई, 1972
उच्च शिक्षा निदेशालय	इलाहाबाद
प्रदेश में केन्द्रीय विश्व विद्यालय	4 (BHU, AMU, BBAU, AU)
राज्य का केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय	रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी
राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय	अमेठी
प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय	राजर्षि टण्डन (प्रयागराज)
प्रदेश/देश का पहला महिला विश्वविद्यालय	इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय महिला वि.वि, रायबरेली
आचार्य नरेन्द्र देव कृषि वि.वि	फैजाबाद
सरदार पटेल कृषि वि.वि	मेरठ
खेल प्रशिक्षण संस्थान:-	
गुरू गोबिन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज	लखनऊ (प्रदेश का प्रथम)
वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज	गोरखपुर
एकलव्य स्टेडियम	अम्बेडकर नगर
राज्य विद्यालयी क्रीड़ा संस्थान	फैजाबाद
योजनाएँ:-	
सर्व शिक्षा अभियान	2001 (6-14 वर्ष)
कस्तूरबा गाँधी विद्यालय	2004
सम्पूर्ण साक्षरता अभियान	1991 (15-35 वर्ष आयु)

अनौपचारिक शिक्षा योजना	1975
शिक्षा मित्र योजना	2000-01
ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड	1987 (प्राइमरी विद्यालयों में खेल कूद)
साक्षर भारत मिशन	2009 (15 वर्ष से अधिक आयु)
मुख्यमंत्री युवा स्वरोज़गार योजना की शुरुआत	2017 ई. में
मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की शुरुआत	25 अक्तूबर, 2019 से
प्रदेश में 'किसान समृद्धि आयोग' का गठन	2017 ई. में
विद्या वाहिनी प्रोजेक्ट	2003 कम्प्यूटर शिक्षा पर
औद्योगिक विकास की दृष्टि से प्रदेश का सबसे विकसित क्षेत्र	पश्चिमी क्षेत्र
औद्योगिक विकास की दृष्टि से सबसे कम विकसित क्षेत्र	बुंदेलखंड
उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड का गठन	1960 ई. में
उत्तर प्रदेश हस्त शिल्प प्रोत्साहन नीति लागू की गई -	2014 ई. में
प्रदेश में कृषि के बाद सर्वाधिक रोज़गार देने वाला उद्योग	हथकरघा कुटीर उद्योग
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का गठन हुआ -	1975 ई. में
भारत एवं उत्तर प्रदेश की पहली चीनी मिल की स्थापना 1903 ई. में हुई	प्रतापपुर (देवरिया) में

उत्तर प्रदेश की भाषा संस्कृति

भाषा विभाग

उत्तर प्रदेश की प्रथम भाषा हिंदी (1947) है एवं 1989 में उर्दू को द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिया गया।

उत्तर प्रदेश के भाषाई संस्थान

संस्थान	स्थापित वर्ष	मुख्यालय
हिंदुस्तानी अकादमी	1927	प्रयागराज
उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी	1972	लखनऊ
उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान	1976	लखनऊ
उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	1976	लखनऊ
उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान	1994	लखनऊ
उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी	1997	लखनऊ
उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी		लखनऊ

उत्तर प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान

प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
भारत कला भवन	1920	वाराणसी
भातखंडे संगीत संस्थान	1926	लखनऊ
उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी	1962	लखनऊ
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी	1963	लखनऊ
भारतेंदु नाट्य अकादमी	1975	लखनऊ
अयोध्या शोध संस्थान	1986	अयोध्या
उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान	1990	लखनऊ

उत्तर प्रदेश का भाषा और साहित्य

उत्तर प्रदेश में भाषा और साहित्य का समृद्ध और प्राचीन इतिहास रहा है। उत्तर प्रदेश का साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत में योगदान प्राचीन अभिलेखों में भी दर्ज है। हिंदू धर्म के संस्कृत भाषा में दो महाकाव्यों रामायण और महाभारत की रचना भी इसी भूमि पर हुई।

उत्तर प्रदेश की मुख्य क्षेत्रीय भाषाएं

- उत्तर प्रदेश में लगभग 29 भाषाएं बोली जाती हैं।
- हिंदी आधिकारिक भाषा है।

उत्तर प्रदेश की मुख्य क्षेत्रीय भाषाएं एवं क्षेत्र:

क्रमांक	भाषाएं	क्षेत्र
1.	बुंदेली	झांसी, जालौन , ललितपुर, महोबा, हमीरपुर। 'आल्हा खंड' बुंदेली में ही लिखा गया है।
2.	ब्रजभाषा	ब्रज पश्चिमी हिंदी की सबसे प्रमुख बोली है। मथुरा, अलीगढ़, एटा, बदायूँ, आगरा, मैनपुरी, बरेली। रीतिकाल में इसी भाषा की प्रधानता थी।
3.	कन्नौजी	कन्नौज, कानपुर, पीलीभीत, हरदोई, फर्रुखाबाद, इटावा।
4.	कौरवी(खड़ी बोली)	मेरठ, मुरादाबाद, बिजनौर, शामली, गौतम बुद्ध नगर, रामपुर, हापुड़, बागपत, सहारनपुर। 'प्रिय प्रवास' खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है। खड़ी बोली के प्रथम कवि अमीर खुसरो थे। सर्वप्रथम खड़ी बोली शब्द का प्रयोग लल्लू लाल एवं सदल मिश्र के द्वारा किया गया।
5.	अवधी	लखनऊ, फैजाबाद, प्रतापगढ़, इलाहाबाद, मिर्जापुर, उन्नाव, लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर, कानपुर, रायबरेली, बहराइच, बस्ती, गोंडा। 'रामचरितमानस' अवधी में रचित महाकाव्य है। विदेश में 'फिजी' में अवधी बोली जाती है।
6.	बघेली	बांदा, चित्रकूट, सोनभद्र, प्रयागराज।

7.	भोजपुरी	हिंदी में बोलने वालों की सर्वाधिक संख्या भोजपुरी बोली की है। गोरखपुर, बस्ती, बलिया, देवरिया, गाजीपुर, वाराणसी, आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, सिद्धार्थनगर, अंबेडकरनगर।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख साहित्यकार :

लेखक/कवि	रचनाएं
तुलसीदास	रामचरितमानस, गीतावली, कवितावली, विनय पत्रिका
सूरदास	सूरसागर, सूरसरावली, साहित्य लहरी
मलिक मुहम्मद जायसी	पद्मावत
कबीरदास	बीजक, सबद, रमैनी
भारतेंदु हरिश्चंद्र	भारत दुर्दशा, सत्य हरिश्चन्द्र
जयशंकर प्रसाद	कामायनी, स्कंदगुप्त
महादेवी वर्मा	नीरजा, रश्मि
हरिवंश राय बच्चन	मधुशाला
मैथिलीशरण गुप्त	साकेत, भारत-भारती
मुंशी प्रेमचंद	800 कहानियाँ, 13 उपन्यास
धर्मवीर भारती	गुनाहों का देवता

उत्तर प्रदेश के कवि और उनके उपनाम	
कवि	**उपनाम**
मलिक मोहम्मद	जायसी
सूर्यकांत त्रिपाठी	निराला, महाप्राण
अमीर खुसरो	तूती ए हिंद
अयोध्या सिंह उपाध्याय	हरिऔध
हरवंश राय	बच्चन (हालावादी कवि)
राजा शिव प्रसाद	सितारे हिंद
भारतेंदु हरिश्चंद्र	हिंदी नवजागरण के अग्रदूत
तुलसीदास	हिंदी के जातीय कवि
महादेवी वर्मा	आधुनिक युग की मीरा
धनपत राय	मुंशी प्रेमचंद

भारत रत्न से सम्मानित उत्तर प्रदेश के व्यक्ति

व्यक्ति	क्षेत्र	वर्ष
पंडित जवाहरलाल नेहरू	राजनीतिज्ञ	1955
गोविंद बल्लभ पंत	राजनीतिज्ञ	1957
पुरुषोत्तम दास टंडन	राजनीतिज्ञ	1961
श्रीमती इंदिरा गांधी	राजनीतिज्ञ	1971
राजीव गांधी	राजनीतिज्ञ	1991
पंडित रविशंकर	सितार वादक	1999
बिस्मिल्लाह खान	शहनाई वादक	2001
मदन मोहन मालवीय (मरणोपरांत)	समाज सुधारक	2014
अटल बिहारी वाजपेई	राजनीतिज्ञ	2014

प्रमुख संगीत घरानेः

आगरा घराना-

संस्थापक-आगरा घराने के जन्मदाता तानसेन के दामाद हाजी सुजान साहब थे।

सम्बन्धित प्रमुख व्यक्ति- अलख दास, मलूकदास

लखनऊ घराना- लखनऊ घराना'भारत के प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य शैली के नृत्य कत्थक तथा गायकी से सम्बंधित घरानों में से एक है। नवाब वाजिद अली शाह के दरबार से इसका उदय हुआ था।

सम्बन्धित प्रमुख व्यक्ति- बिन्दा दीन, कोदऊ सिंह, खुर्शीद अली खाँ (लखनऊ ख्याल गायकी के पितामह), शंभू महाराज, बिरजू महाराज।

किराना घराना (मुज़फ्फरनगर में स्थान)-

संस्थापक- उस्ताद बंदे अली खान

सम्बन्धित प्रमुख व्यक्ति-बंदे अली खाँ, गंगू बाई हंगल, हीरा बाई बडोदकर, भीमसेन जोशी।

बनारस घराना-

यह घराना गायन और वादन दोनों कलाओं के लिए प्रसिद्ध रहा है। इस घराने के गायक ख़्याल गायकी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही बनारस घराने के तबला वादकों की भी अपनी एक स्वतंत्र शैली रही है। बनारस घराने के ठाकुर जयदेव सिंह को संगीत शास्त्र का पितामह कहा जाता है।

सम्बन्धित प्रमुख व्यक्ति- छन्नूलाल मिश्र, राजन-साजन मिश्र, गुरु प्रसाद मिश्र, सितारा देवी, गिरिजा देवी, किशन महाराज, गुदई महाराज (समता प्रसाद मिश्र), मोतीबाई, रसूलन बाई, सिद्धेश्वरी देवी।

अतरौली घराना

अतरौली घराना के संस्थापक अलीगढ़ जनपद के अतरौली स्थान के जूनागढ़ रियासत से संबद्ध दो भाई काले खान एवं चांद खान माने जाते हैं। दल्लू खान और छज्जू खान इसी घराने से संबंधित थे जो ध्रुपद धमार गायन के लिए प्रसिद्ध थे।

रामपुर घराना

रामपुर घराना हिंदुस्तानी संगीत के प्रसिद्ध घरानों में से एक है। घराने के प्रमुख गायक उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान, मोहम्मद अली खान हैं। सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ आचार्य बृहस्पति के अनुसार रामपुर घराने के संस्थापक नेमत खान और सदारंग थे।

इटावा घराना

तबला वादक घराना है, इटावा घराना को गौरीपुर घराना भी कहते हैं जो कि सितार वादन के लिए प्रसिद्ध है इस घराने के प्रमुख सितार वादक ध्रुवतारा जोशी, सुरजन सिंह, विलायत खान।

प्रमुख कलाकार	संबंधित क्षेत्र
1. किशन महाराज	तबला वादन
2. गुदई महाराज (समता प्रसाद)	तबला वादन
3. अनोखे लाल मिश्र	तबला वादन
4. कोदऊ सिंह	पखावज
5. पं. सखाराम	पखावज
6. शंभू महाराज	कत्थक
7. बिरजू महाराज	कत्थक

8. अच्छन महाराज	कत्थक
9. बिन्दादीन	कत्थक
10. श्रीमती एन. राजम	वायलिन (बनारस घराना)
11. पं. रविशंकर	सितार (बनारस घराना)
12. बिस्मिल्ला खाँ	शहनाई वादक (बनारस घराना)

उत्तर प्रदेश के लोकनृत्य

लोकनृत्य में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक अंचल की अपनी विशिष्ट पहचान है। समृद्ध विरासत की विविधता को संजोये हुए ये आंगिक कलारूप लोक संस्कृति के प्रमुख वाहक हैं।

नृत्य	क्षेत्र
ख़्याल नृत्य	ख़्याल नृत्य पुत्र जन्मोत्सव पर बुंदेलखण्ड में किया जाता है। इसमें रंगीन कागजों तथा बाँसों की सहायता से मंदिर बनाकर फिर उसे सिर पर रखकर नृत्य किया जाता है।
रास नृत्य	रास नृत्य ब्रज में रासलीला के दौरान किया जाता है। रासक दण्ड नृत्य भी इसी क्षेत्र का एक आकर्षक नृत्य है।
झूला नृत्य	झूला नृत्य भी ब्रज क्षेत्र का नृत्य है, जिसका आयोजन श्रावण मास में किया जाता है। इस नृत्य को इस क्षेत्र में बड़े उल्लास के साथ किया जाता है।
मयूर नृत्य	मयूर नृत्य भी ब्रज क्षेत्र का ही नृत्य है। इसमें नर्तक मोर के पंख से बने विशेष वस्त्र धारण करते हैं।
धोबिया नृत्य	धोबिया नृत्य पूर्वांचल में प्रचलित है। यह नृत्य धोबी समुदाय द्वारा किया जाता है। इसके माध्यम से धोबी एवं गदहे के मध्य आजीविका संबंधों का भावप्रवण निरूपण किया जाता है। धोबी जाति द्वारा मृदंग, रणसिंगा, झांझ, डेढ़ताल, घुँघरू, घंटी बजाकर यह नृत्य करते हैं।
चरकुला नृत्य	चरकुला नृत्य ब्रज क्षेत्रवासियों द्वारा किया जाता है। इस घड़ा नृत्य में बैलगाड़ी अथवा रथ के पहिये पर कई घड़े रखे जाते हैं फिर उन्हें सिर पर रखकर नृत्य किया जाता है। तेल के दीपक अपने सिर पर महिलाएं रख कर नाचती है।
कठघोड़वा नृत्य	कठघोड़वा नृत्य पूर्वांचल में माँगलिक अवसरों पर किया जाता है। इसमें एक नर्तक अन्य नर्तकों के घेरे के अंदर कृत्रिम घोड़ी पर बैठकर नृत्य करता है।
जोगिनी नृत्य	जोगिनी नृत्य विशेषकर रामनवमी के अवसर पर किया जाता है। इसके अंतर्गत साधु या कोई अन्य पुरुष महिला का रूप धारण करके नृत्य करते हैं। ये नृत्य अवध में किया जाता है।
शौरा नृत्य	शौरा या सैरा नृत्य बुंदेलखण्ड के कृषक अपनी फसलों को काटते समय हर्ष प्रकट करने के उद्देश्य से करते हैं।
कर्मा नृत्य	कर्मा व शीला नृत्य सोनभद्र और मिर्जापुर के खरवार आदिवासी समूह द्वारा आयोजित किया जाता है।
पासी नृत्य	पासी नृत्य पासी जाति के लोगों द्वारा सात अलग अलग मुद्राओं की एक गति तथा एक ही लय में युद्ध की भाँति किया जाता है।
धुरिया नृत्य	धुरिया नृत्य को बुंदेलखण्ड के प्रजापति (कुम्हार) स्त्री वेश धारण करके करते हैं।
छोलिया नृत्य	छोलिया नृत्य राजपूत जाति के लोगों द्वारा विवाहोत्सव पर किया जाता है। इसे करते समय नर्तकों के एक हाथ में तलवार तथा दूसरे हाथ में ढाल होती है।
छपेली नृत्य	छपेली नृत्य एक हाथ में रुमाल तथा दूसरे हाथ में दर्पण लेकर किया जाता है। इसके माध्यम से नर्तक आध्यात्मिक समुन्नति की कामना करते हैं।
नटवरी नृत्य	नटवरी नृत्य पूर्वांचल क्षेत्र के अहीरों द्वारा किया जाता है। यह नृत्य गीत व नक्कारे के सुरों पर किया जाता है।
राई नृत्य	राई नृत्य बुंदेलखण्ड की महिलाओं द्वारा किया जाता है। यहाँ की महिलाएँ इस नृत्य को विशेषतः श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर करती हैं। इसको मयूर की भाँति किया जाता है, इसीलिए यह मयूर नृत्य भी कहलाता है।
दीप नृत्य	बुंदेलखण्ड के अहीरों द्वारा अनेकानेक दीपकों को प्रज्वलित कर किसी घड़े, कलश अथवा थाल में रखकर प्रज्वलित दीपकों को सिर पर रखकर दीप नृत्य किया जाता है।
पाई डण्डा नृत्य	पाई डण्डा नृत्य गुजरात के डाण्डिया नृत्य के समान है जो कि बुंदेलखण्ड के अहीरों द्वारा किया जाता है।
धींवर नृत्य	कहार जाति द्वारा शुभ अवसरों पर किया जाता है।
देवी नृत्य	बुंदेलखण्ड़ क्षेत्र में प्रचलित है।
कार्तिक नृत्य	बुंदेलखण्ड क्षेत्र में कार्तिक माह में नर्तकों द्वारा श्री कृष्ण तथा गोपी बनकर।
कलाबाजी नृत्य	अवध क्षेत्र के लोग 'मोरबाजा' लेकर घोड़ी पर बैठकर नृत्य करते हैं।

शास्त्रीय नृत्य

कथक नृत्य: यह एक उत्तर भारतीय शास्त्रीय नृत्य है। 'कथक' शब्द का अर्थ है कथा को नृत्य रूप से कथन करना। प्राचीन काल में कथक को कुशिलव के नाम से जाना जाता था।

इसका वर्णन महाभारत में भी किया गया है। मध्य काल में इसका सम्बन्ध कृष्ण कथा और नृत्य से था।

इस नृत्य के तीन प्रमुख घराने हैं: जयपुर घराना ,लखनऊ घराना, वाराणसी घराना।

उत्तर प्रदेश के लोकगीत

उत्तर प्रदेश के लोकगीत और उनके क्षेत्र राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन लोकगीतों को विभिन्न अवसरों, त्योहारों, कृषि कार्यों, धार्मिक उत्सवों और सामाजिक घटनाओं के दौरान गाया जाता है। यहां उत्तर प्रदेश के प्रमुख लोकगीतों और उनके क्षेत्रों का विवरण दिया गया है:

1. कजरी	**क्षेत्र**: पूर्वांचल (वाराणसी, मिर्जापुर, जौनपुर) **विवरण**: सावन के महीने में गाया जाने वाला गीत, जो विरह और प्रेम को व्यक्त करता है। कजरी में प्रकृति, वर्षा और भावनाओं का सुंदर चित्रण होता है।
2. सोहर	**क्षेत्र**: पूरे उत्तर प्रदेश में प्रचलित (विशेषकर पूर्वांचल और अवध क्षेत्र) **विवरण**: यह लोकगीत जन्मोत्सव के समय गाया जाता है। विशेष रूप से बच्चे के जन्म पर महिलाओं द्वारा गाया जाता है।
3. बिरहा	**क्षेत्र**: पूर्वांचल और मध्य उत्तर प्रदेश **विवरण**: यह लोकगीत अलगाव और दुख को व्यक्त करता है। इसमें वीरता और संघर्ष की कहानियां भी होती हैं।
4. आल्हा	**क्षेत्र**: बुंदेलखंड **विवरण**: वीरता और महाकाव्य की कहानियां गाने वाला यह लोकगीत प्रसिद्ध है। इसमें आल्हा और ऊदल की वीरगाथाओं का वर्णन होता है।
5. रासो	**क्षेत्र**: ब्रज क्षेत्र **विवरण**: यह गीत भगवान कृष्ण के जीवन और उनके लीलाओं का वर्णन करता है। इसे रासलीला के दौरान गाया जाता है।
6. धमार	**क्षेत्र**: ब्रज क्षेत्र **विवरण**: यह होली के अवसर पर गाया जाने वाला गीत है, जो होली के रंग और उत्साह को दर्शाता है।
7. चैती	**क्षेत्र**: पूर्वांचल और अवध **विवरण**: चैत्र महीने में गाया जाने वाला यह गीत भगवान राम और शिव की भक्ति से संबंधित है।
8. झूला	**क्षेत्र**: पूर्वांचल और अवध **विवरण**: सावन में गाया जाने वाला यह गीत झूला झूलने और प्रेम भावनाओं से जुड़ा है।
9. भगत	**क्षेत्र**: बुंदेलखंड **विवरण**: भक्ति गीतों का यह स्वरूप धार्मिक कहानियों और महापुरुषों की गाथाओं को प्रस्तुत करता है।
10. लावनी और बारहमासा	**क्षेत्र**: अवध और पूर्वांचल **विवरण**: यह लोकगीत मौसम और पूरे साल के महीनों की भावनाओं को व्यक्त करता है।
11. नौटंकी के गीत	**क्षेत्र**: पश्चिमी उत्तर प्रदेश **विवरण**: यह लोक नाट्य शैली में गाए जाने वाले गीत हैं, जिनमें हास्य और मनोरंजन का पुट होता है।
12. रागिनी	**क्षेत्र:** रुहेलखंड क्षेत्र
	विवरण: रागिनी या ढोला उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र का लोक गीत है।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख

उत्तर प्रदेश में हर साल करीब 2,250 मेले लगते हैं।
सर्वाधिक मेले मथुरा में (86) , उसके बाद कानपुर और हमीरपुर में (79), झांसी में (78), आगरा में (72) और फतेहपुर में (70) आयोजित होते हैं।
उत्तर प्रदेश में सबसे कम मेले पीलीभीत जिले में आयोजित होते हैं।

सं.	मेला	जिला
1	कुंभ मेला	प्रयागराज
2	बटेश्वर मेला	आगरा
3	गढ़मुक्तेश्वर मेला	हापुड़
4	नौचंदी मेला	मेरठ
5	देवा मेला	बाराबंकी
6	मकनपुर मेला	फर्रुखाबाद
7	ढाई घाट मेला	शाहजहांपुर
8	गोला गोकर्णनाथ मेला	लखीमपुर खीरी
9	बाल सुंदरी देवी मेला	अनूपशहर
10	कालिंजर मेला	बाँदा
11	देवी पाटन मेला	बलरामपुर
12	लखनऊ महोत्सव	लखनऊ
13	वाराणसी पर्यटन महोत्सव	वाराणसी
14	गंगा महोत्सव	वाराणसी
15	त्रिवेणी महोत्सव	इलाहाबाद
16	होली महोत्सव	मथुरा
17	कबीर मेला	मगहर (संत कबीर नगर)
18	परिक्रमा मेला	अयोध्या
19	रामायण मेला	चित्रकूट
20	कैलाश मेला	आगरा
21	सोरों मेला	कासगंज
22	आयुर्वेद महोत्सव	झांसी
23	बिठूर गंगा महोत्सव	कानपुर
24	कजली महोत्सव	महोबा
25	रामनगरिया मेला	फर्रुखाबाद
26	श्रावणी मेला	फर्रुखाबाद
27	शाकुंभरी देवी मेला	सहारनपुर
28	खिचड़ी मेला	गोरखपुर
29	गोविंद सागर मेला	अंबेडकर नगर
30	राम बारात	आगरा
31	रामनवमी मेला	अयोध्या

उत्तर प्रदेश के प्रमुख दर्शनीय स्थल	
स्थल	**अवस्थिति**
दशावतार मंदिर	देवगढ़ ललितपुर
नरसिंह टीला	जालौन
रानी महल	झांसी
ब्यास टीला	जालौन
कामदगिरि पर्वत	चित्रकूट
कालिंजर दुर्ग	बांदा
चौरासी गुंबद	कालपी जालौन
सीतामढ़ी धार्मिक स्थल	भदोही
मकरबई मंदिर	महोबा
बेल्हा देवी मंदिर	प्रतापगढ़
आनंद भवन	प्रयागराज
कड़कशाह बाबा की मजार	कौशांबी
फांसी इमली शहीद स्थल	प्रयागराज
बावनी इमली शहीद स्थल	फतेहपुर
धानापुर शहीद स्मारक	चंदौली
सोमनाथ मंदिर	वाराणसी
काल भैरव मंदिर	वाराणसी
भारत माता मंदिर	वाराणसी
लार्ड कार्नवालिस का मकबरा	गाजीपुर
देवी पाटन मंदिर	बलरामपुर
चाइना मंदिर	श्रावस्ती
भृगु मंदिर	बलिया
माथा कुंवर बुद्ध प्रतिमा	कुशीनगर
रेणुकेश्वर महादेव मंदिर	सोनभद्र
नैमिषारण्य	सीतापुर
संकिसा	फर्रुखाबाद
मुगल घाट	फर्रुखाबाद
घटियाघाट	फर्रुखाबाद
खानकाह रशीदिया	मैनपुरी
असई किला दिगंबर मूर्तियां	इटावा
भगवान वराह मंदिर	सोरों कासगंज
श्री दाऊजी महाराज	हाथरस
सीताकुंड घाट	सुल्तानपुर
रजा लाइब्रेरी	रामपुर
रूमी दरवाजा	लखनऊ
लोधेश्वर मंदिर	बाराबंकी
एजाज अली हाल	बिजनौर
हरिदेव मंदिर	मथुरा
शाकंभरी देवी मंदिर	सहारनपुर
दान तीरथ	मेरठ
झारखंडेश्वर शिवलिंग	हापुड़
शुक्रताल का शिव मंदिर	मुजफ्फरनगर
सालार मसूद गाजी की दरगाह	बहराइच
हाजी वारिस अली शाह की दरगाह	देवा शरीफ, बाराबंकी

संग्रहालय

- प्रदेश में कुल 14 राजकीय संग्रहालय हैं।
- प्रदेश का सबसे पुराना संग्रहालय- राजकीय संग्रहालय, लखनऊ (1863) है।
- राजकीय बौद्ध संग्रहालय- पिपरहवा, गोरखपुर व कुशीनगर।
- राजकीय जैन संग्रहालय - मथुरा।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय रामपुर।
- प्रदेश में कुषाण एवं गुप्तयुगीन संस्कृति का एकमात्र संग्रहालय- राजकीय संग्रहालय, मथुरा।
- राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय- मेरठ।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख योजनाएं तथा कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश की एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत उत्पादों की सूची	
जिले का नाम	**उत्पाद**
आगरा, कानपुर नगर	चर्म उत्पाद
अलीगढ़	ताले और हार्डवेयर
अंबेडकर नगर, बाराबंकी, इटावा	कपड़ा उत्पाद
अमरोहा	संगीत वाद्ययंत्र
औरैया	खाद्य प्रसंस्करण (देसी घी)
आजमगढ़	काले बर्तन
बागपत	घर का फर्नीचर
बहराइच	गेहूँ के डंठल से बने हस्तशिल्प
बलिया	बिंदी
बाँदा	शज़र स्टोन क्राफ्ट
बस्ती	लकड़ी शिल्प
शाहजहांपुर, उन्नाव, बरेली, कासगंज, चंदौली,	ज़री-ज़रदोज़ी
बुलंदशहर	सिरेमिक उत्पाद
चित्रकूट	लकड़ी के खिलौने
देवरिया	सजावटी उत्पाद
एटा	घंटियाँ और पीतल के उत्पाद
फर्रुखाबाद	कपड़ा छपाई
फतेहपुर	चादरें और लोहे का निर्माण कार्य
फिरोजाबाद	कांच की वस्तुएं
गौतम बुद्ध नगर	रेडीमेड वस्त्र
गाजीपुर	जूट से बनी वस्तु, दीवार पर लटकाने वाली वस्तु
गाजियाबाद	इंजीनियरिंग सामान
गोंडा, बलरामपुर	खाद्य प्रसंस्करण (दालें)
गोरखपुर	टेराकोटा
हमीरपुर	जूते
हापुड़	घर का फर्नीचर
हरदोई	हथकरघा

हाथरस	हींग
जालौन	हस्तनिर्मित कागज कला
जौनपुर	ऊनी कालीन (दरी)
झांसी	मुलायम खिलौने
कन्नौज	इत्र
कानपुर देहात	एल्युमिनियम के बर्तन
कौशाम्बी	खाद्य प्रसंस्करण (केला)
कुशीनगर	केले, फाइबर उत्पाद
लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती	जनजातीय शिल्प
ललितपुर	ज़री सिल्क साड़ियाँ
लखनऊ	चिकनकारी और ज़री ज़रदोज़ी
महाराजगंज	फर्नीचर
महोबा	गौरा स्टोन क्राफ्ट
मैनपुरी	तारकशी कला
मथुरा	सैनिटरी फिटिंग
मऊ	पावरलूम टेक्सटाइल
मेरठ	खेल उत्पाद
मुरादाबाद	धातु शिल्प
मुजफ्फरनगर, अयोध्या	गुड़
पीलीभीत	बांसुरी
प्रतापगढ़	आंवला उत्पाद
प्रयागराज, सुल्तानपुर, अमेठी	मूंज उत्पाद
रायबरेली	लकड़ी का काम
रामपुर	पैच वर्क, ज़री पैचवर्क के साथ एप्लिक वर्क
सहारनपुर, बिजनौर	लकड़ी शिल्प,
संभल	हस्तशिल्प (सींग-हड्डी)
संत कबीर नगर	पीतल के बर्तन शिल्प
शामली	लौह कला
सिद्धार्थनगर	काला नमक चावल
सीतापुर, भदोही, सोनभद्र, मिर्जापुर	कालीन (दरी)
वाराणसी	बनारसी सिल्क साड़ी

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) द्वारा ओडीओपी	
ज़िला	**ओडीओपी**
आगरा, हापुड़	पेठा
अलीगढ़, जौनपुर, बरेली, बुलंदशहर	दूध आधारित उत्पाद
गोंडा, श्रावस्ती, कुशीनगर, बहराइच, लखीमपुरखीरी	केला
गाजीपुर, भदोही	प्याज
जी.बी. नगर, कानपुर नगर, गाजियाबाद	बेकरी उत्पाद
गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, महाराजगंज, बस्ती	चावल (काला नमक)
फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद, कन्नौज	आलू

प्रतापगढ़,रायबरेली, अमेठी फतेहपुर	आंवला
अंबेडकर नगर, वाराणसी, देवरिया	मिर्च
बलिया	मसूर
बाँदा, चित्रकूट, महोबा	तेल बीज आधारित उत्पाद
शाहजहांपुर, मेरठ, बिजनौर, अयोध्या, शामली, बागपत, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत	गुड़
औरैया	दूध आधारित उत्पाद (घी)
अमरोहा, उन्नाव, सीतापुर, मऊ, लखनऊ	आम,
प्रयागराज, कौशाम्बी शाहजहांपुर	अमरूद
एटा	कासनी
इटावा	सरसों
चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर	टमाटर
आजमगढ़	तुलसी
बलरामपुर	मकई उत्पाद
हमीरपुर	मछली
हरदोई	मूंगफली उत्पाद
हाथरस	हींग
जालौन	मटर
झांसी	तुलसी
कासगंज	घी
कानपुर देहात	दूध उत्पाद
ललितपुर	हल्दी
मैनपुरी	लहसुन
मथुरा	दूध उत्पाद (पेड़ा)
मुरादाबाद, सहारनपुर	शहद
संभल, सुल्तानपुर, रामपुर, बाराबंकी	पुदीना

एक जिला एक खेल' योजना	
खेल	**संबंधित जिला**
कुश्ती	वाराणसी, गोरखपुर, चंदौली, बागपत, आजमगढ़, देवरिया, महाराजगंज
एथलेटिक्स	मैनपुरी, फ़िरोज़ाबाद, जौनपुर, भदोही, संभल, सीतापुर, कासगंज, उन्नाव, अयोध्या, कौशांबी, एटा, अमेठी, रामपुर, सिद्धार्थ नगर, संत कबीर नगर, चित्रकूट, बस्ती, हमीरपुर, हापुड़, मेरठ, ग़ाज़ीपुर, शामली, बलिया, मुज़फ्फरनगर
हॉकी	प्रतापगढ़, मऊ, बरेली, लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, फर्रुखाबाद, मुरादाबाद, बलरामपुर, इटावा, गाजियाबाद
टेबल टेनिस	आगरा, कानपुर
बैडमिंटन	अलीगढ़, गौतमबुद्ध नगर
भारोत्तोलन	मिर्जापुर, बिजनौर
मुक्केबाज़ी	बुलंदशहर, कुशीनगर
तीरंदाजी	सोनभद्र, ललितपुर

फुटबॉल	हाथरस
तैराकी	पीलीभीत
शूटिंग	बाँदा
कबड्डी	कन्नौज
लॉन टेनिस	प्रयागराज

यूपी से नए जीआई-टैग उत्पाद
बनारस ठंडाई (दूध से बना ताज़ा पेय)
बनारस तबला (एक लोकप्रिय भारतीय ताल वाद्य)
बनारस शहनाई (एक पारंपरिक पवन वाद्ययंत्र)
बनारस लाल भरवामिर्च (लाल मिर्च)
चिरईगांव करोंदा (वाराणसी की एक फल किस्म)
बनारस लाल पेड़ा (एक मीठा व्यंजन)
बनारस भित्ति चित्र (एक पारंपरिक कला रूप)
जौनपुर इमरती (एक मीठा व्यंजन)
मथुरा सांझी शिल्प (एक पारंपरिक कला रूप)
बुन्देलखण्ड कठिया गेहूँ (गेहूं की एक किस्म)
पीलीभीत बांसुरी (एक प्रकार की बांसुरी)
संभल (अस्थि शिल्प)
चित्रकूट (लकड़ी शिल्प और खिलौने)

उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्य योजना 2024

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना (UP MYUVA Yojana)

- UP MYUVA Yojana, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को स्वरोजगार से जुड़ने के लिए ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा।
- इस योजना के तहत प्रशिक्षित लाभार्थी, सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त कर चुके युवा या UP स्किल डेवलपमेंट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन, अनुसूचित जाति, जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजनाओं में प्रशिक्षित लाभार्थी लाभान्वित होंगे।
- यह मिशन प्रत्येक वर्ष 1,00,000 इकाइयों को वित्त पोषित करेगा, जिससे आगामी दस वर्षों में एक मिलियन इकाइयों को सीधे लाभ मिलेगा। उद्योग और सेवा क्षेत्र में 5 लाख रुपये से अधिक की परियोजना लागत वाली सूक्ष्म इकाइयां पात्र होंगी।

हॉट कुक्ड मील योजना

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत राज्य की आँगनवाड़ियों में 3 से 6 साल तक की उम्र के बच्चों को पौष्टिक खाना उपलब्ध कराया जायेगा।
- इस योजना के माध्यम से हर बच्चों को हर दिन 70 ग्राम तक गर्म पकाया हुआ भोजन दिया जाएगा।
- इसके अंतर्गत 3401 आँगनवाड़ियों की आधारशिला रखी गयी।

'हर बच्चे के लिए हर अधिकार'

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस अभियान का उद्देश्य छात्रों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है।
- कार्यक्रम का विषय 'लिंग समानता: प्रत्येक छात्र के लिए समान अवसर प्रदान करना, देखभाल और समर्थन, परिवारों, घरों, स्कूलों, खेल, करियर, स्वास्थ्य देखभाल और बाल संरक्षण सुविधाओं, समुदाय और सार्वजनिक जीवन में प्रत्येक बच्चे के लिए एक चैंपियन बनना' रखी गई है।
- पावर एंजेल और बाल संसद के नेतृत्व में यह अभियान 25 नवंबर तक सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कस्तूरबा गांधी स्कूलों में दैनिक गतिविधियों को शामिल करेगा।

सवेरा योजना

- प्रयागराज पुलिस द्वारा अपने क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए इस पहल को शुरू किया गया है।
- इसके अंतर्गत 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर, 112 के माध्यम से जरूरत के समय में त्वरित और कुशल प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाएगी।
- इस योजना में शामिल पुलिस कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारियों में से एक पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों के घरों पर नियमित सुरक्षा एवं जांच करना है।

अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क कोचिंग योजना प्रारंभ की गई है। यह योजना यूपीएससी, पीएससी, जेईई, एनईईटी और अन्य परीक्षा उम्मीदवारों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करेगी।
- योजना के अंतर्गत राज्य सरकार पात्रता के आधार पर विद्यार्थियों को टैबलेट प्रदान करेगी ताकि वे डिजिटल शिक्षा के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें।

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 के कारण अपने माता-पिता या अभिभावक को खोने वाले अनाथ बच्चों के लालन-पालन के उद्देश्य से इस योजना का शुभारंभ किया गया।
- योजना हेतु 0-18 आयु वर्ग के लिये वे सभी बच्चे जिनके माता तथा पिता की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण के कारण हो गई हो इसके पात्र हैं।
- बाल देख-रेख संस्थाओं में आवासित 0-18 आयु वर्ग के बच्चों की देखभाल हेतु ₹ 4000 प्रतिमाह दिये जाएंगे। प्रदेश सरकार सभी बालिकाओं के विवाह हेतु ₹ 1,01,000 की राशि उपलब्ध कराएगी।

उत्तर प्रदेश भाग्यलक्ष्मी योजना

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के बीपीएल परिवारों, जिनकी आय ₹2 लाख से कम है, की बालिकाओं हेतु उत्तर प्रदेश भाग्यलक्ष्मी योजना प्रारंभ की है।
- योजना के तहत बेटी के जन्म होने पर उसके खाते में ₹50,000 तथा बेटी की माँ को ₹5100 की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।
- इसके अतिरिक्त बेटी के कक्षा 6 में पहुँचने पर ₹3000, कक्षा 8 में पहुंचने पर ₹5000, कक्षा 10 में पहुँचने पर ₹ 7000 तथा कक्षा 12 में पहुँचने पर ₹ 8000 दिये जाएंगे। योजना के अंतर्गत एक परिवार की दो बेटियों को ही यह आर्थिक सहायता प्राप्त होगी

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बजट 2020-21 में ₹ 12000 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- इस योजना में बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य के स्तर में वृद्धि के साथ बालिकाओं के भ्रूण हत्या को रोकने का उद्देश्य शामिल किया गया। यह योजना 1 अप्रैल, 2019 से संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना

- महिलाओं एवं बच्चों के कुपोषण की समस्या को दूर करने हेतु वित्तीय वर्ष 2021-22 से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना आरंभ की जाएगी।
- इस योजना के अंतर्गत ड्राई राशन के साथ-साथ आंगनवाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत 6 माह से 5 वर्ष तक के चिह्नित कुपोषित बच्चों तथा एनीमिया ग्रस्त 11-14 वर्ष की स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को अतिरिक्त पोषण प्रदान किया जाएगा। इस योजना हेतु ₹ 100 करोड़ की राशि बजट में प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री महिला सामर्थ्य योजना

- ग्रामीण अंचलों में महिला दुग्ध उत्पादकों के स्वयं सहायता समूहों की आजीविका में वृद्धि एवं संवर्द्धन हेतु वित्तीय वर्ष 2021-22 से महिला सामर्थ्य योजना क्रियान्वित की जाएगी।
- योजना के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अंतर्गत राज्य में महिला शक्ति केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

स्कीम फॉर एडोलसेंट गर्ल्स (SAG)

- आरंभ 21 फरवरी, 2019
- उम्र 11-14 वर्ष
- उद्देश्य उचित पोषण एवं विशेष देखभाल

प्रमुख ई-गवर्नेंस परियोजना	
दर्पण	माननीय मुख्यमंत्री डैशबोर्ड
ई-परीक्षा	उत्तर प्रदेश के सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती हेतु
निवेश मित्र	उद्यमियों के आवेदनों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने और उनकी ट्रैकिंग के लिए इलेक्ट्रॉनिक आधारित पारदर्शी प्रणाली की सुविधा प्रदान करना
ई-डिस्ट्रिक्ट (जनहित गारंटी अधिनियम)	नागरिक सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से नागरिकों को सरकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रयास और समय को न्यूनतम करना
आपूर्ती	उत्तर प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विभिन्न रिपोर्ट देखने के लिए
ई-नगर सेवा	उत्तर प्रदेश के नागरिकों और शहरी स्थानीय निकायों के कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए
आईजीआरएस-जन सुनवाई	नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश में शिकायत निवारण के लिए एकीकृत प्रणाली
भूलेख	उत्तर प्रदेश के भूमि अभिलेखों को कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा ताकि भूमि अभिलेखों की गतिविधियों को सुव्यवस्थित किया जा सके।
संपत्ति मूल्यांकन और पंजीकरण आवेदन	मुख्य रूप से अचल संपत्ति के दस्तावेजों के पंजीकरण से संबंधित है।
ई-पेंशन	पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के लिए ऑनलाइन पेंशन प्रणाली
महिला सम्मान कोष	हिंसा से प्रभावित महिलाओं/बच्चों को आर्थिक, चिकित्सा एवं शैक्षिक राहत एवं सहायता के लिए ऑनलाइन पोर्टल
ई-परिणय पत्र	हिंदी और अंग्रेजी में विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र ऑनलाइन जारी करना
ई-तुला (मेट्रोलॉजी)	आईटी के प्रगतिशील उपयोग के आधार पर लाइसेंस/सत्यापन प्रमाणपत्र जारी करने की प्रभावी एवं कुशल प्रणाली प्रदान करना
ट्रांजिट पास खनन	सर्वेक्षण परमिट, पूर्वेक्षण लाइसेंस और खनन पट्टे के लिए आवेदन करने हेतु
व्यास	वाणिज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट
सृष्टि	प्रशासनिक सीमाओं (जिला, ब्लॉक, गांव, आदि) के लिए टोपो-शीट का डिजिटलीकरण।
ई-निविदा	उत्तर प्रदेश ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से निविदाएं देखी जा सकेंगी तथा इस पोर्टल के माध्यम से बोलियां ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकेंगी।
एसएसपीवाई पोर्टल	वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजनों के लिए एकीकृत पेंशन पोर्टल
ई-मदरसा	इस पोर्टल के माध्यम से मदरसों को एकीकृत मंच पर लाने की पहल

जनगणना

जननांकीय संक्षिप्तिकी	
प्रदेश की कुल जनसंख्या व देश का प्रतिशत (2011)	19,98,12,341 (16.51%)
कुल पुरूष जनसंख्या व प्रतिशत (2011)	10,44,80,510 (52.29%)
कुल महिला जनसंख्या व प्रतिशत (2011)	9,53,31,831 (47.71%)
कुल ग्रामीण जनसंख्या व प्रतिशत (2011)	15,53,17,278 (77.73%)
कुल नगरीय जनसंख्या व प्रतिशत (2011)	4,44,95,063 (22.27%)
देश के कुल ग्रामीण जनसंख्या में उत्तर प्रदेश	18.63% (देश में I)
देश के कुल शहरी जनसंख्या में उत्तर प्रदेश	11.79 (महाराष्ट्र के बाद II)
औसत जनघनत्व (2011)	829 प्रतिवर्ग किमी.

औसत लिंगानुपात (2011)	912/1000
0-6 आयु वर्ग का लिंगानुपात	902/1000
औसत साक्षरता (2011)	67.72%
पुरूष व महिला साक्षरता क्रमश: (2011)	77.3% व 57.2%

सर्वाधिक व सबसे कम जनसंख्या वाले 5 जिले	
सर्वाधिक जनसंख्या वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.प्रयागराज 2.मुरादाबाद 3.गाजियाबाद 4.आजमगढ़ 5.लखनऊ
न्यूनतम जनसंख्या वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.महोबा 2.चित्रकूट 3.हमीरपुर 4.श्रावस्ती 5.ललितपुर
सर्वाधिक पुरूष जनसंख्या वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.प्रयागराज 2.मुरादाबाद 3.गाजियाबाद 4.कानपुर नगर 5.लखनऊ
सर्वाधिक महिला जनसंख्या वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.प्रयागराज 2.आजमगढ़ 3.जौनपुर 4.मुरादाबाद 5.लखनऊ
सर्वाधिक जनघनत्व वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.गाजियाबाद (3971) 2.वाराणसी (2395) 3.लखनऊ (1816) 4.संत रविदास नगर (1555) 5.कानपुर नगर (1452)
न्यूनतम जनघनत्व वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.ललितपुर (242) 2.सोनभद्र (270) 3.हमीरपुर (275) 4.महोबा (279) 5.चित्रकूट (308)
सर्वाधिक औसत साक्षरता वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.गौतम बुद्ध नगर (80.12%) 2.कानपुर नगर (79.65% 3.औरैया (78.95%) 4.इटावा (78.41%) 5.गाजियाबाद (78.07%)
न्यूनतम औसत साक्षरता वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.श्रावस्ती (46.74%) 2.बहराइच् (49.36%) 3.बलरामपुर (49.51%) 4.बदायूं (51.29%) 5.रामपुर (53.34%)
सर्वाधिक महिला साक्षरता वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.कानपुर नगर (75.05%) 2.लखनऊ (71.54%) 3.गौतम बुद्ध नगर (70.82%) 4.औरैया (70.61%) 5.गाजियाबाद (69.79%)
न्यूनतम महिला साक्षरता वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.श्रावस्ती (34.78%) 2.बलरामपुर (38.43%) 3.बहराइच (39.18%) 4.बदायूं (40.09%) 5.रामपुर (44.44%)
सर्वाधिक पुरूष साक्षरता वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.गौतम बुद्ध नगर (88.06%) 2.औरैया (86.11%) 3.इटावा (86.06%) 4.गाजियाबाद (85.42%) 5.झांसी (85.38%)
सबसे कम पुरूष साक्षरता वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.श्रावस्ती (57.16%) 2.बहराइच (58.34%) 3.बलरामपुर (59.73%) 4.बदायूं (%) 5.रामपुर (%)
सर्वाधिक दशकीय वृद्धि वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.गौतम बुद्ध नगर (49.1%) 2.गाजियाबाद (41.3%) 3.श्रावस्ती (30.5%) 4.बहराइच (29.3%) 5.बलरामपुर (27.7%)
न्यूनतम दशकीय वृद्धि वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.कानपुर नगर (9.9%) 2.हमीरपुर (11.1%) 3.बागपत (11.9%) 4.फतेहपुर (14.1%) 5.देवरिया (14.2%)
सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.जौनपुर (1024) 2.आजमगढ़ (1019) 3.देवरिया (1017) 4.प्रतापगढ़ (998) 5.सुल्तानपुर (983)
न्यूनतम लिंगानुपात वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	गौतमबुद्ध नगर (998) बागपत-हमीरपुर (861) मथुरा-बांदा-कानपुर नगर (863) औरैया (863)

नगरीय व ग्रामीण जननांकीय आंकड़े	
सर्वाधिक ग्रामीण आबादी वाले जिले (घटते क्रम में)	1.प्रयागराज 2.आजमगढ़ 3.जौनपुर 4.सीतापुर 5.गोरखपुर
सबसे कम ग्रामीण आबादी वाले जिले (बढ़ते क्रम में)	1.गौतमबुद्ध नगर 2.महोबा 3.हमीरपुर 4.चित्रकूट 5.बागपत

सर्वाधिक शहरी आबादी वाले जिले (घटते क्रम में)	1.गाजियाबाद 2.लखनऊ 3.कानपुर नगर 4.आगरा 5.मेरठ
सबसे कम शहरी आबादी वाले जिले (बढ़ते क्रम में)	1.श्रावस्ती 2.चित्रकूट 3.कौशाम्बी 4.संतकबीर नगर 5.महराजगंज
सर्वाधिक नगरीकरण प्रतिशत वाले जिले (घटते क्रम में)	1.गाजियाबाद 2.लखनऊ 3.कानपुर नगर 4.गौतमबुद्ध नगर 5.मेरठ
सबसे कम नगरीकरण प्रतिशत वाले जिले (बढ़ते क्रम में)	1.श्रावस्ती 2.कुशीनगर 3.महाराजगंज 4.सुल्तानपुर 5.प्रतापगढ़

एससी व एसटी सम्बंधी जननांकीय आंकड़े	
सर्वाधिक एससी आबादी वाले जिले (घटते क्रम में)	1.सीतापुर 2.प्रयागराज 3.हरदोई 4.आजमगढ़ 5.खीरी
न्यूनतम एससी आबादी वाले जिले (बढ़ते क्रम में)	1.बागपत 2.श्रावस्ती 3.गौतमबुद्ध नगर 4.महोबा 5.ललितपुर

सर्वाधिक एससी प्रतिशत वाले जिले (घटते क्रम में)	1.कौशाम्बी 2.सीतापुर 3.हरदोई 4.उन्नाव 5.रायबरेली
न्यूनतम एससी प्रतिशत वाले जिले (बढ़ते क्रम में)	1.बागपत 2.बरेली 3.बलरामपुर 4.गौतमबुद्ध नगर 5.रामपुर
सर्वाधिक एसटी आबादी वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.सोनभद्र 2.बलिया 3.देवरिया 4.कुशीनगर 5.ललितपुर
न्यूनतम एसटी आबादी वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.बागपत 2.कन्नौज 3.बदायूं 4.एटा 5.कासगंज

सर्वाधिक एसटी प्रतिशत वाले 5 जिले (घटते क्रम में)	1.सोनभद्र 2.ललितपुर 3.देवरिया 4.बलिया 5.कुशीनगर
न्यूनतम एसटी प्रतिशत वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में)	1.बागपत 2.कन्नौज 3.बदायूं 4.बुलन्दशहर 5.मुजफ्फरनगर

कीजिए एक सफल कॅरियर की शुरुआत सबसे अनुभवी व विख्यात शिक्षकों की टीम के साथ

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

IAS | PCS

24 Aspirants Achieved their Goal in UPPCS 2022 with Utkarsh

IAS
FOUNDATION BATCH
(15-16 Months)

IAS
Prelims Batch
(5-6 Months)

IAS
Prelims Crash Course
(3-4 Months)

UPPCS
FOUNDATION BATCH
(15-16 Months)

UPPCS
Prelims Batch
(5-6 Months)

UPPCS
Prelims Crash Course
(3-4 Months)

•Admission Open In offline Batches•

उपर्युक्त सभी कोर्सेस उत्कर्ष एप में ऑनलाइन (Live From Classroom)भी उपलब्ध हैं



आज ही शुरू करें एक सफल करियर की शुरुआत उत्कर्ष के साथ

- सम्पूर्ण सारगर्भित अद्यतन प्रिंटेड नोट्स
- डेली प्रैक्टिस पेपर बुकलेट
- सफल अभ्यर्थियों से समय-समय पर संवाद
- मॉक इंटरव्यू प्रोग्राम
- करेंट अफेयर्स की मासिक पत्रिका
- विशेष ड्राउट लिस्टिंग सेशन्स, मेगा टेस्ट सीरीज
- व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम
- नियमित मनोवैज्ञानिक परामर्श सत्र

डॉ. विवेक गहलोत

आर्ष एप के ऑनलाइन कोर्सेस CSE से खरीदने पर 10% अतिरिक्त डिस्काउंट

ऑफलाइन बैच के विद्यार्थियों को डेली/साप्ताहिक टेस्ट सीरीज के लिए सत्र के बैच का ऑनलाइन कोर्स बिल्कुल फ्री।

UTKARSH CLASSES
A Trusted Institute Since 2002

support@utkarsh.com 977 3366 872

Visit our Admission Centre :
Sardar Patel Marg in front of PVR mall, Civil Lines, Prayagraj

CIVIL SERVICES

विद्यार्थियों में बेहद लोकप्रिय
उत्कर्ष प्रकाशन की प्रमुख पुस्तकें



उत्कर्ष क्लासेस के प्रयागराज सेंटर्स तथा सभी प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध

UTKARSH PUBLICATION

उत्कर्ष प्रकाशन

For Trade Enquiry :
publication@utkarsh.com
Helpline : + 91 9829 213 213